▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 167 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 11-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 रिकॉर्ड में सुधार के बजाय मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया है एसआईआर : ममता

6 मेजर आशीष दहिया : ग्रेनेड धमाकों के बीच दिखाया अदय साहस, ए++ श्रेणी के आतंकवादी को किया ढेर

7 कभी दो शब्द बोलने में भी कतराते थे ऋतिक रोशन

'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए

'स्वदेशी' और 'स्वभाषा' को अपनाना महत्वपूर्ण : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 'स्वदेशी' और 'स्वभाषा' को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए लोगों से स्थानीय उत्पादों का निर्माण और उपयोग करने तथा घर पर केवल अपनी मातृभाषा में बातचीत करने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि किसी भी समाज, संस्कृति और धर्म को संरक्षित रखने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हालांकि दुनिया में प्रगति के लिए आवश्यकतानुसार कोई भी भाषा सीखी या बोली जा सकती है, लेकिन घर पर बच्चों से बातचीत के लिए केवल हिंदी और स्थानीय भाषाओं का ही इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि इससे उनकी जड़ों से उनका जुड़ाव मजबूत होगा।

मंत्री यहां आयोजित 'माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन' को संबोधित कर रहे थे, जहां माहेश्वरी समुदाय के सदस्य देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से एकत्र हुए हैं। शाह ने कहा, ''यदि आप घर पर बच्चों से उनकी भाषा में बात करेंगे, तो वे अपने इतिहास से, अपने राज्य राजस्थान से स्वतः जुड़ जाएंगे... भाषा ही वह चीज है जो समाज को, धर्म को जीवंत रखती है और संस्कृति को आगे बढ़ाती है।''

मंत्री ने कहा, ''अन्य स्थानों पर आवश्यकतानुसार किसी भी भाषा में बात करें, भले ही वह विदेशी भाषा हो, लेकिन घर पर बच्चों से केवल मातृभाषा में ही बात करें।'' शाह ने 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए स्वदेशी को 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने का एकमात्र मंत्र बताया।

पाकिस्तान के नजरिए में बदलाव के बगैर शांति प्रयास संभव नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। भारत की रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख विक्रम सूद ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के नजरिये में बुनियादी बदलाव के बगैर उसके साथ शांति के प्रयास संभव नहीं हैं। सूद ने भारत की रणनीतिक ताकत और आत्मनिर्भरता की जरूरत पर बल दिया।

यहां मंगलूरु साहित्य उत्सव में एक सत्र को संबोधित करते हुए सूद ने कहा कि पाकिस्तान की स्थापित नीतियों और बार बार शत्रुता निभाने की आदत को देखते हुए उसके साथ समझौते या बातचीत का कोई खास फायदा नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तान अपनी रणनीतिक रूपरेखा में बदलाव नहीं करता है, तब तक उसके साथ कोई बातचीत सफल होने की संभावना नहीं है।

सूद ने यूक्रेन, इजराइल और वेनेजुएला में अमेरिका के हस्तक्षेप की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका की विदेश नीति अक्सर एकतरफा प्रभाव की धारणा के तहत समस्याएं पैदा करती है। उन्होंने कहा, ताकत और सैन्य क्षमता प्रभावी शासन के लिए आवश्यक हैं। चीन अपनी विनिर्माण स्वतंत्रता के चलते ही अमेरिका के आर्थिक दबदबे को चुनौती देने में समर्थ है। वहीं अमेरिका अपनी सैन्य ताकत के बावजूद 1940 के दशकों से परंपरागत युद्धों में प्रत्यक्ष विजेता नहीं रहा है।

भारत की कूटनीतिक रणनीति पर सूद ने कहा कि इस देश को अमेरिका और चीन जैसी प्रमुख शक्तियों के साथ तार्किक रूप से जुड़ना चाहिए।

11-01-2026 सूर्यास्त 6:10 बजे | 12-01-2026 सूर्योदय 6:45 बजे

BSE 83,576.24 (-604.72) | NSE 25,683.30 (-193.55)

सोना 14,462 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 255,900 रु. प्रति किलो

इसरो 12 को पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा

चेन्नई/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने 2026 के प्रक्षेपण कैलेंडर की शुरुआत 12 जनवरी को 'पीएसएलवी-सी62' मिशन के साथ करेगा। इस मिशन के तहत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 'ईओएस-एन1' और 14 अन्य पेलोड को अंतरिक्ष में स्थापित किया जाएगा। इसरो की वाणिज्यिक शाखा 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (एनएसआईएल) के इस मिशन में शामिल 14 अन्य सह-यात्री उपग्रह देशी और विदेशी ग्राहकों के हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को कहा, ''प्रक्षेपण यान और उपग्रहों का एकीकरण पूरा हो चुका है तथा प्रक्षेपण-पूर्व जांच जारी है। पीएसएलवी-सी62 मिशन का प्रक्षेपण 12 जनवरी को सुबह 10 बजकर 17 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम प्रक्षेपण स्थल से प्रस्तावित है।'' इस मिशन के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती 11 जनवरी को शुरू होगी। यह पीएसएलवी की 64वीं उड़ान होगी।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

वंशवाद

हम दंश वंश का झेल रहे,
इस लोकतंत्र में निर्विवाद।
सत्ता व्यापार व्यवस्था में,
युग-युग से जारी वंशवाद।
काबिल हो चाहे नाकाबिल,
अधिकारिक होता सदा वाद।
निर्णय देता है सिर्फ वक्त,
होगा विस्मृत या रहे याद।।

हर क्षेत्र में भारत को मजबूत बनाना है : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शनिवार को कहा कि भारत को अपनी सुरक्षा सिर्फ सीमाओं पर मजबूत नहीं करनी है, बल्कि आर्थिक और तकनीकी तौर पर भी देश को इतना मजबूत बनाना है कि हमलों और पराधीनता के अपने इतिहास का प्रतिशोध ले सकें।

'विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद' के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में डोभाल ने स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्षों, भारत की सभ्यता पर हुए हमलों और मजबूत नेतृत्व के महत्व का जिक्र किया। उन्होंने तीन दिवसीय इस आयोजन में भाग ले रहे देश भर के तीन हजार युवाओं से कहा, ''

मैं गुलाम भारत में पैदा हुआ था। आप भाग्यशाली हैं कि स्वतंत्र भारत में पैदा हुए। सदियों तक हमारे पूर्वजों ने इसके लिए बहुत कुर्बानियां और अपमान सहे हैं। भगत सिंह को फांसी हुई, सुभाष चंद्र बोस को जीवन भर संघर्ष करना पड़ा, महात्मा गांधी को सत्याग्रह करना पड़ा और अनगिनत लोगों को जानें देनी पड़ीं।''

भारत के खुफिया ब्यूरो के पूर्व प्रमुख 81 वर्षीय डोभाल ने कहा, ''हमारे गांव जले, हमारी सभ्यता को समाप्त किया गया, हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम एक मूक दर्शक की तरह असहाय होकर देखते रहे। यह इतिहास हमें एक चुनौती देता है कि भारत के हर युवक के अंदर आग होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा ,'' प्रतिशोध शब्द अच्छा तो नहीं है, लेकिन यह अपने आप में बड़ी शक्ति होती है। हमें अपने इतिहास का प्रतिशोध लेना है और हमें इस देश को फिर वहां पहुंचाना है, जहां हम अपने हक, अपने विचार और अपनी आस्थाओं के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें।

॥ जय श्री सालासर बालाजी ॥

परमपिता परमात्मा एवं श्री सालासर बालाजी महाराज की कृपा से

श्री सालासर बालाजी सेवा समिति, बेंगलूरु

प्रस्तुत कर रहा है

निर्माणाधीन श्री सालासर बालाजी मंदिर प्रारूप

Entry with Donor Pass

अतुल सत्य कौशिक कृत हिन्दी महानाट्य

चक्रव्यूह

रविवार 11 जनवरी, 2026 शाम 6 बजे

प्रेस्टीज सेंटर फॉर परफ़ॉर्मिंग आर्ट्स
कनकपुरा रोड़, बेंगलूरु

प्राइम स्पोंसर
SNN RAJ CORP

श्री कृष्ण की भूमिका में
डॉ. नितीश भारद्वाज

प्लैटिनम स्पोंसर
avonplast · SINCE 1965 · PIPES & FITTINGS
Pigeon
LINC PROPERTY DEVELOPERS LTD. Linc Building Dreams.... QUALITY HOMES SINCE 2006

डायमंड स्पोंसर
ORCHID
SCC INDIA
cava ATHLEISURE
BIKANERVALA SWEETS | CHAAT | SNACKS | RESTAURANT | BANQUET
sati "Bringing life to rocks"

गोल्ड स्पोंसर
M/s RD TMT Steels India Pvt. Ltd.
M/s Marg Darshan Foundation
M/s Kabra Trading Co.
M/s Bhotika Ispat Pvt. Ltd.
Shri Tarachand Goyal
Shri Satyanarayan Mittal
Shri Rajkamal Ganeriwal
Shri Manit Somani
Shri Mahesh Mittal
M/s Reliance Plywood Corporation
M/s Bangalore Refinery Pvt. Ltd.
M/s Impex Insulation Pvt. Ltd.
Shri Ghanshyam Agarwal
Shri Atul Sureka

सिल्वर स्पोंसर
Shri Satish Goyal
Shri Manoj Saraogi
Shri Anil Kedia
Shri Sachin Bharpialina
Shri Naresh Agarwal
Shri Venu Gopal Bajaj

मंदिर समिति

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष	चेयरमैन मंदिर निर्माण
प्रमोद मुरारका	सतीश मित्तल	मनित सोमानी	राजकमल गनेरीवाला	संजय शाह
9845025200	9880193400	9342160594	9844022468	9844023128

अनुदान संग्रह कार्यक्रम
CSR सहयोग के माध्यम से आइए जागरुकता बढ़ाकर, सामाजिक बदलाव को गति देकर समाज को सशक्त करें और जरुरतमंदों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएं।

Address & Contact Details:
SRI SALASAR BALAJI SEVA SAMITI,
Ranka Colony, Bilekahalli, Bannerghatta Road, B'lore- 76
Website : www.srisalasarbalaji.com
Email ID : srisalasarbalaji.bangalore@gmail.com
Mob. No. : +91 84968 49651

सहज स्मृति योग

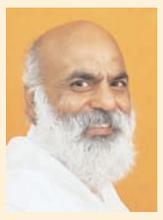

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, प्रारब्ध, संचित कर्म और क्रियमाण कर्म के चक्र से कैसे मुक्त होते हैं ?

उत्तर: जब सृष्टि के आरम्भ में परमात्मा एक से अनेक होकर जीवात्माओं के विविध स्वरूप में प्रकट होते हैं तो उनकी यात्रा क्रियमाण कर्म से ही आरम्भ होती है। फिर, इन विविध स्वरूपों में मूल स्वरूप से विचलित होना घटित होता है और हरेक के व्यक्तिगत कर्म संचित होने लगते हैं और उनके व्यक्तिगत प्रारब्ध का निर्माण होना आरम्भ होता है। यहीं से विविधता विभिन्नता में बदलती है। और जब कभी किसी को मोक्ष प्राप्त होता है अर्थात् व्यक्ति जीवन मुक्त होता है तो उसके तीनों प्रकार के कर्म ज्ञानाग्नि में जल जाते हैं केवल वर्तमान जीवन धारण करने के लिए आवश्यक प्रारब्ध बचा रहता है और वह लोकहितार्थ निष्काम कर्म में लग जाता है इस प्रक्रिया या लीला को ही यथार्थ में घर वापसी कहना चाहिए, जिसे कोई किसी भी आस्तिक मत या नास्तिक वाद या बिलीविंग आश्रित मज़हब/रिलीज़न का अनुयायी अपने जीवन में उतार सकते हैं क्योंकि, यह विशुद्ध वैज्ञानिक अतः शुद्ध बुद्धि जन्य तथा अनुभव गम्य प्रक्रिया है जिससे जीवात्मा अर्थात् व्यक्ति के कर्मों के चक्र का भेदन जीते जी ही हो जाता है।

भद्रवाह में बर्फबारी के बाद पर्यटन स्थलों पर उमड़ी भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा कड़ी की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रवाह/जम्मू/भाषा। जम्मू और कश्मीर के डोडा जिले में बर्फबारी के बाद पर्यटन स्थलों पर पिछले पखवाड़े में पर्यटकों की भारी भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि भद्रवाह-पठानकोट राजमार्ग पर स्थित चत्तरगल्ला (11,000 फुट), पंज नाला (10,200 फुट) और गुलदांडा (9,555 फुट) सहित लोकप्रिय उच्च ऊंचाई वाले घास के मैदानों पर सुरक्षा कर्मियों की स्पष्ट तैनाती का उद्देश्य पर्यटकों का विश्वास बढ़ाना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी रखना है। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के बावजूद, जम्मू और कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और अर्धसैनिक बलों की मजबूत उपस्थिति के साथ ही स्थानीय आतिथ्य सत्कार ने प्रारंभिक आशंकाओं को दूर करने में मदद की है। इससे पर्यटक प्राकृतिक दृश्यों और बर्फ के साथ खेलने जैसी गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं। पुलिस अधीक्षक विनोद शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा'को बताया, ''भद्रवाह सबसे खूबसूरत स्थलों में से एक है और बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। हालांकि, घाटी के आसपास के ऊंचे पहाड़ों में भारी बर्फबारी से सुरक्षा संबंधी गंभीर चुनौतियां पैदा होती हैं, क्योंकि पर्यटक बर्फ से ढके घास के मैदानों और दर्रों में जाने का जोखिम उठाते हैं, खासकर भद्रवाह-पठानकोट राजमार्ग और भद्रवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क के किनारे।'' उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई बर्फबारी और बेहद खराब मौसम की स्थिति के बावजूद सुरक्षा बल पर्यटकों के लिए उच्च ऊंचाई वाले पर्यटन स्थलों में सुरक्षा कवच प्रदान कर रहे हैं ताकि वे पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर सकें।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्वः केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने हैदराबाद में शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार और अन्य नेताओं ने 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत शनिवार को हैदराबाद में विभिन्न शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की। गृह राज्य मंत्री कुमार ने शहर के पुंजागुट्टा स्थित श्री दुर्गा भवानी मंदिर में विशेष पूजा और अभिषेक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वहीं, रामचंद्र राव ने उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में स्थित एक शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, महमूद गजनी ने एक हजार साल पहले सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था, लेकिन इसके बावजूद यह खड़ा रहा और इसी उपलक्ष्य में आठ से 11 जनवरी तक 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जा रहा है।

विज्ञप्ति के मुताबिक, 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत भारतीय सभ्यता की अटूट भावना और देश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का उत्सव मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10-11 जनवरी को सोमनाथ के दौरे पर रहेंगे और इस दौरान वह 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के तहत आयोजित समारोहों में हिस्सा लेंगे। सोमनाथ मंदिर गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में स्थित है, जो अहमदाबाद से लगभग 420 किलोमीटर दूर है।

इसरो अध्यक्ष ने पीएसएलवी-सी62 के प्रक्षेपण से पहले तिरुपति में पूजा अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने शनिवार को तिरुपति स्थित प्रसिद्ध वेंकेटेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की। उनकी यह यात्रा ईओएस-एन1 'पृथ्वी अवलोकन उपग्रह' को 14 अन्य उपग्रहों के साथ अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के लिए प्रस्तावित पीएसएलवी-सी62 मिशन से पहले हुई है।

इसरो के अधिकारी नारायणन के साथ थे। वे मंदिर में प्रार्थना करते समय प्रक्षेपण यान की एक लघु प्रतिकृति अपने साथ ले गए थे। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह मिशन 12 जनवरी को अंजाम दिया जाएगा। नारायणन ने कहा, ''12 जनवरी को हम ईओएस-एन1 उपग्रह को ले जाने वाले पीएसएलवी-सी62 को प्रक्षेपित करने जा रहे हैं।''उन्होंने कहा कि मिशन के लिए लक्षित कक्षा एक ध्रुवीय सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा है। इस मिशन के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती 11 जनवरी को शुरू होगी। यह पीएसएलवी की 64वीं उड़ान होगी। पीएसएलवी के जरिये अबतक 63 मिशन को अंजाम दिया जा चुका है, जिनमें महत्वाकांक्षी चंद्रयान-1, मंगलयान मिशन और आदित्य-एल1 मिशन शामिल हैं।

इसरो के मुताबिक इस मिशन के तहत प्रक्षेपित किए जाने वाला रॉकेट मुख्य रूप से थाईलैंड और ब्रिटेन द्वारा निर्मित एक 'पृथ्वी अवलोकन उपग्रह' के साथ 14 अन्य उपग्रहों को लेकर उड़ान भरेगा। इन्हें प्रक्षेपण के लगभग 17 मिनट बाद इच्छित सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित किया जाएगा।

शिंदे ने साधा उद्धव-राज पर निशाना, कहा- ब्रांड से प्रभावित नहीं होते लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अब मतदाता तथाकथित ब्रांड नेताओं से प्रभावित नहीं होते, बल्कि उन नेताओं का साथ देते हैं जो विकास करते हैं।

ठाणे जिले में होने वाले नगर निकाय चुनावों के लिए शुक्रवार को एक रैली को संबोधित करते हुए शिवसेना नेता शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार सक्रिय और प्रभावी ढंग से काम कर रही है, न कि ऐसी सरकार की तरह जो बार-बार कामकाज स्थगित करती रहती हो। उन्होंने कहा, ''आने वाले कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव में मतदाता राजनीतिक ब्रांडिंग से आगे बढ़कर काम और विकास को समर्थन देंगे।'' शिंदे ने बताया कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव से पहले ही 21 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं, जिससे साफ है कि विपक्ष महायुति के उम्मीदवारों को चुनौती देने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों को प्रभावित करने की कोशिशें जरूर हुईं, लेकिन जनता का फैसला साफ तौर पर विकास के पक्ष में है। कल्याण-डोंबिवली को महायुति का गढ़ बताते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस इलाके के मतदाताओं ने सांसद श्रीकांत शिंदे को तीन बार चुनकर गठबंधन पर बार-बार भरोसा जताया है। उन्होंने कहा, केंद्र और राज्य में स्थिर सरकार होने से विकास कार्यों को पूरा करने में कोई रुकावट नहीं है।

डीटीसी को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है, जिसका घाटा बढ़कर 97,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

रोहिणी में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने के उद्देश्य से अगले कुछ वर्षों में शहर में इलेक्ट्रिक (ई) बसों की संख्या बढ़ाकर 11,000 करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) का घाटा दिल्ली के लगभग पूरे बजट के बराबर है। दिल्ली का बजट एक लाख करोड़ रुपए है जबकि डीटीसी को 97,000 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। उन्होंने कहा, पिछले 10 महीनों में हमने डीटीसी को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। दिल्ली की पिछली सरकार ने बसों को चलाने, उनके मार्ग तय करने तथा कर्मचारियों की भर्ती सहित डीटीसी के संपूर्ण संचालन को दिल्ली एकीकृत बहु- मॉडल ट्रांजिट प्रणाली लिमिटेड (डीआईएमटीएस) को सौंप दिया था। उन्होंने कहा कि इससे डीटीसी संकट में पड़ गई और डीटीसी के चालक व परिचालक खाली बैठने को मजबूर हो गए। गुप्ता ने कहा, लेकिन हम पेंशन भुगतान सहित विभिन्न मुद्दों को हल करके धीरे-धीरे इसमें सुधार कर रहे हैं। बस संचालन का जिम्मा डीआईएमटीएस से वापस ले लिया गया है और अब डीटीसी खुद इनका संचालन करेगी। सरकार सार्वजनिक परिवहन की सभी बसों को ई-बसों में बदलने की दिशा में काम कर रही। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 5,500 ई बसें हैं। गुप्ता ने कहा, हमारा लक्ष्य इस वर्ष के अंत तक ई बसों की संख्या को बढ़ाकर 7,500 करना और अगले दो वर्षों में इसे 11,000 तक पहुंचाना है।

ईडी ने घर खरीदारों से धोखाधड़ी के मामले में 585 करोड़ रुपए के भूखंड कुर्क किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने घर खरीदारों से धोखाधड़ी के आरोप में दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्थित रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 580 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की सैकड़ों एकड़ जमीन कुर्क की है।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि 'एडेल लैंडमार्क्स लिमिटेड' (पूर्व में एरा लैंडमार्क्स लिमिटेड) और इसके प्रवर्तक हेम सिंह भड़ाना और सुमित भड़ाना के खिलाफ दर्ज मामले के तहत यह कार्रवाई की गई है। बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और बहादुरगढ़ तथा उत्तर प्रदेश के मेरठ और गाजियाबाद में स्थित 340 एकड़ भूमि की अस्थायी कुर्की का आदेश जारी किया गया है। ईडी ने बताया कि इन भूखंड का कुल मूल्य 585.46 करोड़ रुपए है।

धन शोधन का यह मामला हरियाणा और दिल्ली पुलिस द्वारा कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज 74 प्राथमिकियों और आरोपपत्रों से जुड़ा है, जिसमें उन पर 12-19 साल की देरी के बाद भी वादे के अनुसार फ्लैट और यूनिट्स सौंपने में विफल रहकर ''कई'' घर खरीदारों को धोखा देने का आरोप लगाया गया है। ईडी के अनुसार, फ्लैट न सौंपे जाने के कारण ग्राहकों ने पैसा वापस करने की मांग की और कंपनी द्वारा उन्हें चेक जारी किए गए, जिनमें से कई चेक विभिन्न कारणों से ''अस्वीकृत'' हो गए।

आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने नेल्लोर में दगदार्थी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को मंजूरी दी

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के विमानन और औद्योगिक अवसंरचना को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए राज्य मंत्रिमंडल ने नेल्लोर जिले में दगदार्थी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को मंजूरी दी है। इस मंजूरी के साथ दगदार्थी आंध्र प्रदेश का आठवां हवाई अड्डा बन जाएगा, जो राज्य के भविष्य के लिए तैयार, बहु-मार्गीय परिवहन और औद्योगिक नेटवर्क के निर्माण के दृष्टिकोण को मजबूत करेगा। दगदार्थी हवाई अड्डा रणनीतिक रूप से ऐसी जगह पर स्थित है कि यह राष्ट्रीय राजमार्गों, दो बड़े बंदरगाह - कृष्णापत्तनम पोर्ट और रामयापत्तनम पोर्ट और कई औद्योगिक क्षेत्रों जैसे केआरआईएस सिटी और आईएफएफसीओ एसईजेड से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। इस खास स्थानिक लाभ की वजह से यह हवाई अड्डा दक्षिण आंध्र प्रदेश में फैक्टरी, निर्यात, कृषि-परिवहन और सेवा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने में बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। इस परियोजना को पहले ही भारत सरकार के नागर विमानन मंत्रालय से मौलिक मंजूरी मिल चुकी है। परियोजना के विकास, संचालन और रखरखाव के लिए निजी कंपनियों से प्रस्ताव मांगा गया है।

भुवनेश्वर में सरकारी 'अमा बस' में आग लगी, किसी के घायल होने की सूचना नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में कलिंगा स्टूडियो स्क्वायर (चौक) के पास सरकारी 'अमा बस' में आग लग गई। हालांकि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि जिस वक्त बस में आग लगी उस समय वाहन में केवल पांच यात्री, चालक और एक अन्य कर्मचारी मौजूद था।

बस के परिचालक ने बताया, ''बस में चलते समय अचानक आग लग गई। हमने वाहन रोक दिया और सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए।''

पुलिस ने बताया कि माना जाता है कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है।

सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने का प्रयास कर रही भाजपाः प्रतापगढ़ी

अकोला/भाषा। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने भाजपा पर फूट डालो और राज करो की नीति अपनाने का आरोप लगाया है। नगर निकाय चुनाव के संबंध में शुक्रवार को कांग्रेस की एक बैठक को संबोधित करने के बाद प्रतापगढ़ी ने पत्रकारों से कहा, भाजपा 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपना रही है। नफरत का ऐसा माहौल बनाया जा रहा है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। भाजपा के मंत्री समाज को बांटने वाली भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि वरिष्ठ नेता चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुंबई को कभी भी धारावी की तरह बेचने नहीं दिया जाएगा। प्रतापगढ़ी ने कहा कि हवाई अड्डों का निजीकरण किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा, मुंबई महाराष्ट्र की है और हमेशा राज्य का हिस्सा रहेगी। शायर व राजनीतिक नेता प्रतापगढ़ी ने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति लोगों को बांटने और उन्हें शिक्षा से दूर रखने पर टिकी है।

भविष्य में हिजाब पहनने वाली महिला देश की प्रधानमंत्री बनेगी : असदुद्दीन ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला भारत की प्रधानमंत्री बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान सभी समुदायों के लोगों को समान दर्जा देता है जबकि पाकिस्तान का संविधान शीर्ष संवैधानिक पदों के लिए केवल एक ही समुदाय तक सीमित है।

सत्तारूढ़ भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) ने ओवैसी की इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा ने कहा अपने 'गैरजिम्मेदाराना' बयान के माध्यम से हैदराबाद के सांसद 'आधा सच' पेश कर रहे हैं क्योंकि मुस्लिम महिलाएं हिजाब नहीं पहनना चाहतीं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 15 जनवरी को होने वाले नगर निकाय चुनावों से पहले महाराष्ट्र के सोलापुर में शुक्रवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, पाकिस्तान के संविधान के अनुसार, वहां केवल एक धर्म का व्यक्ति ही प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति बन सकता है, लेकिन डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा लिखित भारतीय संविधान में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कोई भी नागरिक महापौर, राज्य का मुख्यमंत्री, या यहां तक कि देश का प्रधानमंत्री भी बन सकता है।

पंजाब के लुधियाना में लग्जरी कार शोरूम में बदमाशों ने गोलीबारी की

लुधियाना/भाषा। पंजाब के लुधियाना में बद्दोवाल छावनी के पास फिरोजपुर मार्ग पर स्थित एक लग्जरी कार शोरूम में दो अज्ञात बाइक सवारों ने कथित तौर पर गोलीबारी की। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में शोरूम में खड़ी दो कार को नुकसान पहुंचा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकुर गुप्ता के अनुसार, शनिवार को बदमाशों ने शोरूम पर छह गोलियां चलाईं, जिससे वहां खड़े दो वाहनों के शीशे टूट गए। हालांकि, इस घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। गुप्ता ने बताया कि बाइक सवार हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। हमलावरों द्वारा गोलीबारी किए जाने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारी ने कहा, ''हम इस मामले की जांच कर रहे हैं और अपराधियों की पहचान करने तथा उनके इरादों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल कर रहे हैं।''

यूपीएससीः परीक्षा केंद्रों पर सभी अभ्यर्थियों के चेहरे का प्रमाणीकरण होगा

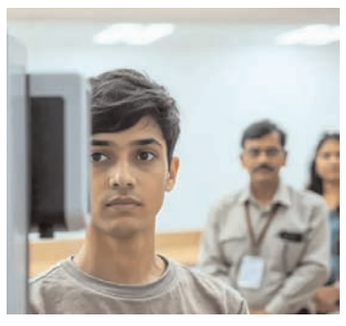

नई दिल्ली/भाषा। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों का परीक्षा स्थलों पर चेहरा प्रमाणीकरण किया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि इससे परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता और अधिक मजबूत होगी। आयोग की वेबसाइट पर जारी एक नोट में कहा गया, ''यूपीएससी परीक्षा में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों के चेहरे का परीक्षा स्थल पर प्रमाणीकरण किया जाएगा।''

यूपीएससी सरकार की नौकरियों के लिए विभिन्न भर्ती परीक्षाएं आयोजित करता है, जिनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) परीक्षा भी शामिल हैं। यूपीएससी ने 14 सितंबर, 2025 को आयोजित एनडीए (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी) और एनए (नौसेना अकादमी) द्वितीय परीक्षा, 2025 तथा सीडीएस (संयुक्त रक्षा सेवा) द्वितीय परीक्षा, 2025 के दौरान त्वरित और सुरक्षित अभ्यर्थी सत्यापन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-सक्षम चेहरा प्रमाणीकरण प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए एक प्रायोगिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया था।

यह कार्यक्रम गुरुग्राम के चयनित केंद्रों पर किया गया, जहां अभ्यर्थियों की चेहरों का उनके पंजीकरण प्रपत्रों में उपलब्ध कराई गई तस्वीरों से डिजिटल रूप से मिलान किया गया।

सीबीआई अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच छह महीने के भीतर पूरी करे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को मांग की कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच बिना किसी दबाव के और निष्पक्ष तरीके से छह महीने के भीतर पूरी करे तथा मामले में सबूत नष्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

एक रिजॉर्ट की रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करने वाली अंकिता (19) की 2022 में हत्या कर दी गई थी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता के माता-पिता के अनुरोध के बाद मामले की सीबीआई से जांच की सिफारिश की है। कांग्रेस की उत्तराखंड इकाई मामले में नए सबूत सामने आने के बाद से ही केंद्रीय जांच एजेंसी से मामले की जांच कराने की मांग कर रही थी।

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने मांग की कि सीबीआई मामले मेंवीआईपी पहलू की स्वतंत्र जांच करे और कार्यस्थलों पर सुरक्षा मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। लांबा ने संवाददाताओं से कहा, हम चाहते हैं कि सीबीआई 'वीआईपी पहलू' की स्वतंत्र जांच करे, सबूत नष्ट करने का आदेश देने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो, सबूत नष्ट करने वाले विधायक के खिलाफ कार्रवाई हो, कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और राजनीतिक संरक्षण प्रदान करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाए। उन्होंने कहा, हम भविष्य में ऐसे मामलों की जांच के लिए एक अनिवार्य स्वतंत्र जांच तंत्र भी चाहते हैं। सीबीआई को बिना किसी दबाव के और निष्पक्षता के साथ छह महीने के भीतर मामले की जांच पूरी करनी चाहिए।

लांबा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस मामले से जुड़े अपराधियों को जांच प्रक्रिया से दूर रखना चाहिए, ताकि निष्पक्षता के साथ कार्रवाई की जा सके और अंकिता भंडारी को न्याय दिलाया जा सके।

उन्होंने कहा कि अंकिता के पिता ने कुछ ऐसे लोगों का जिक्र किया है, जिन्हें इस मामले में अहम माना जा रहा है।

भाजपा, जद (एस) ने 'वीबी-जी राम जी योजना' पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी भारतीय जनता पार्टी और इसके सहयोगी जद (एस) ने केंद्र द्वारा मनरेगा के स्थान पर लाए गए 'वीबी-जी राम जी' कानून पर चर्चा के लिए विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाए जाने के राज्य की कांग्रेस सरकार के फैसले का शनिवार को स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री और जनता दल-एस (जद-एस) के दूसरे सबसे बड़े नेता एच डी कुमारस्वामी और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि कांग्रेस विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी-राम जी) अधिनियम के बारे में भ्रामक सूचना फैला रही है।

विजयेंद्र ने कहा, ''कांग्रेस सरकार वीबी-जी-राम जी के बारे में झूठा विमर्श प्रसारित कर रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या इस पर विशेष सत्र बुलाना चाहते हैं, और हम इस फैसले का स्वागत करते हैं।''

उन्होंने कहा, ''हम सदन में इस बात पर चर्चा करेंगे कि पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) शासन के दौरान कांग्रेस ने मनरेगा के माध्यम से देश के लिए क्या किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने पिछले 11 वर्षों में क्या किया है।'' विजयेंद्र ने कहा कि जब कार्य दिवसों की संख्या 100 से बढ़ाकर 120 दिन कर दी गई है, तो व्यवस्था में जवाबदेही होनी चाहिए और धन की बर्बादी नहीं होनी चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल किया, ''जब मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं, तो क्या प्रधानमंत्री, भाजपा या राजग सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना गलत है कि धन की हेराफेरी या बर्बादी न हो?'' उन्होंने दावा किया कि राजग सरकार के कार्यकाल में मनेगा पर सात लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं।

विजयेंद्र ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण महात्मा गांधी के दृष्टिकोण से मेल खाता है और वह भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभरते हुए देखना चाहते हैं, जहां गांवों में अच्छी अवसंरचना और समग्र विकास हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस योजनाओं में कभी विश्वास नहीं करती बल्कि घोटालों में विश्वास करती है और ऐसे घोटालों के कारण ही भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभर नहीं सका। शिकारीपुरा से विधायक विजयेंद्र ने कहा प्रधानमंत्री ग्रामीण लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए योजना में बदलाव लाना चाहते हैं। जब वह जवाबदेही और भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था सुनिश्चित करना चाहते हैं, तो कांग्रेस इसका विरोध कर रही है।'' कुमारस्वामी ने कहा कि केंद्र ने ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने और बुनियादी ढांचे में सुधार लाने के लिए मनरेगा में बदलाव किया है। उन्होंने विपक्ष की आलोचना को सुधार-प्रेरित कल्याणकारी मिशन के खिलाफ ''दुष्प्रचार'' करार देते हुए उसे खारिज किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पारदर्शिता, दक्षता और दीर्घकालिक प्रभाव लाने के लिए मनरेगा के स्थान पर 'वीबी-जी राम जी' लाया गया है। उन्होंने कहा कि कल्याण और अवसंरचना विकास को साथ-साथ आगे बढ़ना चाहिए, क्योंकि दोनों एक-दूसरे के पूरक और अपरिहार्य हैं।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी, जीपीएस ट्रैकिंग और वास्तविक समय में कार्य के माध्यम से भ्रष्टाचार और डेटा लीक पर रोक लगाई जा रही है, और विशेष जॉब कार्ड में अकेली महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांग व्यक्तियों, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और कमजोर आदिवासी समूहों को शामिल किया जाएगा। इस बीच, मनरेगा पर कुमारस्वामी और विजयेंद्र के रुख पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार चर्चा के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा, ''हम बहस के लिए तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर बड़ा आंदोलन भी शुरू कर सकते हैं।'' मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि मनरेगा को फिर से लागू करने की मांग वाला प्रस्ताव पारित करने के लिए जल्द ही राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से हाल में अधिसूचित वीबी-जी-राम जी अधिनियम को रद्द करने और मनरेगा को बहाल करने की मांग की है। राज्य मंत्रिमंडल ने मनरेगा के स्थान पर लागू वीबी-जी-रामजी अधिनियम को स्वीकार न करने का निर्णय लिया और इस कानून को चुनौती देने का संकल्प लिया।

इसरो के आदित्य-एल1 से सौर तूफान के पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित करने की मिली जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि उसके आदित्य-एल1 सौर मिशन ने नयी जानकारी प्रदान की है कि कैसे एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसरो ने एक बयान में कहा, ''सबसे गंभीर प्रभाव सौर तूफान के अशांत क्षेत्र के प्रभाव के दौरान हुआ।'' दिसंबर 2025 में एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' में प्रकाशित एक महत्वपूर्ण अध्ययन में इसरो के वैज्ञानिकों और शोध छात्रों ने अक्टूबर 2024 में पृथ्वी को प्रभावित करने वाली अंतरिक्ष की एक बड़ी घटना का विस्तृत विश्लेषण किया।

इस अध्ययन में भारत की पहली सौर वेधशाला आदित्य-एल1 से प्राप्त डेटा के साथ-साथ अन्य अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष अभियानों के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया, ताकि सूर्य से निकले सौर प्लाज़्मा के एक विशाल विस्फोट के पृथ्वी पर पड़े प्रभाव को समझा जा सके। बयान में कहा गया, ''अंतरिक्ष मौसम (स्पेस वेदर) से तात्पर्य अंतरिक्ष में उत्पन्न उन परिस्थितियों से है, जो सूर्य पर होने वाली अस्थायी गतिविधियों जैसे सौर प्लाज़्मा विस्फोट के कारण बनती हैं। ये घटनाएं पृथ्वी पर उपग्रहों, संचार एवं दिशा सूचक सेवाओं तथा विद्युत ग्रिड अवसंरचना को प्रभावित कर सकती हैं।''

इसरो के अनुसार सौर तूफान के अशांत क्षेत्र ने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को अत्यधिक रूप से संकुचित कर दिया, जिससे वह असामान्य रूप से पृथ्वी के बहुत करीब आ गया और कुछ समय के लिए भू-स्थिर कक्षा (जियोस्टेशनरी ऑर्बिट) में स्थित कुछ उपग्रह उनके संपर्क में आ गए। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि ऐसी घटना केवल अत्यंत गंभीर अंतरिक्ष मौसम घटनाओं के दौरान ही होती है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि अशांत चरण के दौरान ऑरोरल क्षेत्र (उच्च अक्षांशों) में विद्युत धाराएं अत्यधिक तीव्र हो गईं। यह प्रक्रिया ऊपरी वायुमंडल को गर्म कर सकती है और वायुमंडलीय गैसों के बढ़े हुए पलायन (एटमॉस्फेरिक एस्केप) का कारण बन सकती है।

इसरो ने कहा कि ये निष्कर्ष सौर गतिविधियों की लगातार निगरानी की आवश्यकता को और मजबूत करते हैं। एजेंसी के अनुसार, यह अध्ययन अंतरिक्ष मौसम से जुड़ी घटनाओं को समझने और उनके वास्तविक समय में आकलन की अहमियत को रेखांकित करता है, ताकि महत्वपूर्ण अंतरिक्ष परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कर्नाटक वासियों के अधिकारों को लेकर प्रियंका ने साध रखी चुप्पी, केरल के लिए पैरवी में व्यस्त : अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा पर शनिवार को निशाना साधते हुए कर्नाटक के लोगों के हितों, भाषा और अधिकारों पर चुप्पी साधने तथा केरल के मुद्दों पर बढ़-चढ़कर बात करने का आरोप लगाया।

अशोक ने एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि जब भी केरल चुनौतियों का सामना करता है तो वहां के वायनाड जिले से सांसद वाद्रा कर्नाटक सरकार से पैरवी करने लग जाती हैं, लेकिन कर्नाटक वासियों की समस्याओं के प्रति ऐसी चिंता नहीं दिखातीं।

उन्होंने लिखा, जब भी केरल किसी समस्या का सामना करता है- चाहे वे वन्यजीव घटनाएं या प्राकृतिक आपदाएं हों- वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी तुरंत हस्तक्षेप कर कर्नाटक सरकार से मदद मांग लेती हैं जैसे कि कर्नाटक का काम बस केरल की समस्याओं का समाधान निकालना रह गया हो। लेकिन जब कर्नाटक के लोग परेशान होते हैं तो वह चुप्पी साध लेती हैं। ऐसा लगता है कि करुणा केवल एक ही पक्ष के लिए होती है।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अशोक ने विशेष रूप से केरल सरकार द्वारा प्रस्तावित मलयालम भाषा विधेयक-2025 का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि क्या वाद्रा इसका विरोध करेंगी। उन्होंने विधेयक को सीमावर्ती क्षेत्रों में कन्नड़ माध्यम के स्कूलों में भी मलयालम को पहली भाषा के रूप में थोपने का प्रयास बताया।

काशी का इतिहास 12वीं शताब्दी से भी पुराना है : मीनाक्षी जैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। प्रख्यात इतिहासकार और पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर मीनाक्षी जैन ने शनिवार को कहा कि ''काशी का इतिहास मध्यकाल तक सीमित नहीं रखा जा सकता क्योंकि इस प्राचीन नगर का संदर्भ उपनिषदों में पाया जाता है और इसका अतीत इसके मंदिरों की दीवारों पर अंकित है।' यहां आठवें मंगलूरु साहित्य उत्सव के संवाद सत्र के दौरान डाक्टर जैन काशी और मथुरा में मंदिर स्थलों को लेकर चल रहे विवादों के संबंध में सवालों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा कि लोकप्रिय कथाओं में 12वीं शताब्दी से पूर्व के ऐतिहासिक साक्ष्य को नजरअंदाज किया गया।

उन्होंने कहा, काशी का इतिहास अक्सर केवल 12वीं शताब्दी से माना जाता है जोकि गलत है। यह नगर उपनिषद काल से अस्तित्व में है। अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान भी जब वहां भूमि के वक्फ की होने का दावा करते हुए 1936 में एक मुकदमा दायर किया गया था, तो एक विस्तृत जांच कराई गई थी। ब्रिटेन के अधिकारियों ने 35 स्थानीय निवासियों का साक्षात्कार कर करीब 4,000 पेज की रिपोर्ट तैयार की थी। मथुरा को लेकर उन्होंने कहा कि एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल द्वारा 1968 में उस मंदिर के लिए 13.3 एकड़ भूमि निर्धारित की गई थी और ईदगाह मैदान के लिए तीन एकड़ भूमि आवंटित की गई थी।

जैन ने कहा, दशकों तक इन मुद्दों के बारे में लिखना या बोलना संभव नहीं था। वर्ष 2010 से पूर्व, प्रकाशक भारतीय इतिहास पर लिखी किताबें छापने से हिचकिचाते थे। जैन ने कहा कि अपने जीवनकाल में उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर बनने की कभी कल्पना नहीं की थी। हमारी सभ्यतागत विरासत से पुनः जुड़ना विषय पर बोलते हुए जैन ने भारतीय सभ्यता के अस्तित्व में बने रहने का श्रेय शासकों के बजाय आम लोगों की आस्था और उनकी जीवटता को दिया। उन्होंने सांची से प्राप्त शिलालेखों का हवाला दिया जहां धार्मिक ढांचों के लिए ज्यादातर दान राजाओं के बजाय आम नागरिकों- बढ़ई, गाड़ी खींचने वालों और आम महिलाओं की ओर से आया। उन्होंने कहा, हमारी पाठ्य पुस्तकों ने हमें सिखाया है कि हम हमेशा विभाजित रहें। हिंदू, जैन और बौद्ध लोग ज्यादातर संघर्ष में थे। यह कहानी बांटों और राज करो की अंग्रेजों की नीति के तहत गढ़ी गई। भारतीय इतिहास को स्वदेशी दृष्टिकोण से समझा जाना आवश्यक है।

तटीय कर्नाटक में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निजी निवेश की जरूरत : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को तटीय कर्नाटक में रोजगार सृजन और पर्यटन के पुनरुद्धार के लिए निजी निवेश आकर्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। शिवकुमार ने कहा कि क्षेत्र की अप्रयुक्त क्षमता का लाभ कानून के दायरे में रहकर उठाया जाना चाहिए।

शहर के एक होटल में 'तटीय कर्नाटक पर्यटन सम्मेलन' को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने कहा कि कई निवेशकों ने पहले इस क्षेत्र में रुचि दिखाई थी, लेकिन विभिन्न बाधाओं के कारण वे पीछे हट गए। उन्होंने कहा, पर्यटन को प्रभावित करने वाली बाधाओं की पहचान कर उन्हें कानूनी रूप से दूर किया जाना चाहिए।

तटीय क्षेत्र को नयी गति देने के लिए एक नयी पर्यटन नीति की आवश्यकता है। शासन के स्वरूप पर चर्चा करते हुए शिवकुमार ने कहा कि राजनीतिक पद अस्थायी होते हैं, लेकिन विकास के अवसर नहीं।

उन्होंने कहा, ''मेरे लिए राजनीति महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि लोगों के लिए काम करने और आजीविका के अवसर पैदा करने के मौके का उपयोग किया जाए।'' क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने कहा कि तटीय कर्नाटक में गोवा के समान ही समुद्र तट और प्राकृतिक परिदृश्य हैं। उन्होंने कहा, लोग समुद्र तटों के लिए गोवा जाते हैं, लेकिन हमारे पास भी वैसे ही तट मौजूद हैं। क्षमता की कमी नहीं है, बस उचित योजना और उपयोग की आवश्यकता है।

मंगलूरु को ''मृत शहर'' कहने वाली अपनी पिछली टिप्पणी पर स्पष्टीकरण देते हुए शिवकुमार ने कहा कि इसका उद्देश्य विचार और कार्रवाई को प्रेरित करना था। उन्होंने कहा, ''मेरा इरादा मंगलूरु को जीवंत बनाना है। इसके लिए हम स्थानीय प्रतिनिधियों और सभी विधायकों से सुझाव लेंगे।''

अस्मिता और ध्रुपद के शानदार प्रदर्शन से कर्नाटक बना चैंपियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दीव। कर्नाटक ने तैराकी में अपना दबदबा कायम रखते हुए शनिवार को यहां घोगला बीच पर आयोजित खेलो इंडिया बीच खेलों (केआईबीजी) में पदक तालिका में शीर्ष पर रहकर चैंपियनशिप जीती। कर्नाटक की तरफ से अश्मिता चंद्र और ध्रुपद रामकृष्ण ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इन दोनों ने क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में पांच किमी ओपन वाटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते।

कर्नाटक ने ओपन वाटर तैराकी में तीन स्वर्ण पदक, दो रजत और छह कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल किया और इस तरह से चैंपियनशिप हासिल की। तमिलनाडु ने तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि पिछली बार का चैंपियन मणिपुर तीन स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

मध्य प्रदेश पैनकेक सिलाट में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक लेकर चौथे स्थान पर रहा। हरियाणा दो स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक लेकर पांचवें जबकि मेजबान दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव दो स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ छठे स्थान पर रहा। जम्मू और कश्मीर, ओडिशा, नगालैंड और राजस्थान ने भी दो-दो स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष 10 में जगह बनाई।

विनमोर एकेडमी द्वारा सीएसटीएआर-2026 छात्रवृत्ति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और भावी पीढ़ी के नेताओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से, बेंगलूरु के व्हाइटफील्ड स्थित विनमोर अकादमी ने आधिकारिक तौर पर सीएसटीएआर-2026 (शैक्षणिक मान्यता के लिए क्रिमसन छात्रवृत्ति परीक्षा) का शुभारंभ किया है। क्रिमसन स्कूल्स नेटवर्क की यह प्रमुख पहल युवा प्रतिभाओं की पहचान और पोषण के लिए बनाई गई है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम विशेष रूप से कक्षा 5 में पढ़ रहे उन विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है जो 2026-27 के शैक्षणिक सत्र में कक्षा 6 में प्रवेश लेने की तैयारी कर रहे हैं। इस अवसर में रुचि रखने वाले परिवार अपने बच्चों का पंजीकरण गूगल फॉर्म (क्यूआर कोड जल्द ही जोड़ा जाएगा) के माध्यम से ऑनलाइन या विनमोर अकादमी, भक्तराहल्ली, नादवती पोस्ट, व्हाइटफील्ड जाकर ऑफलाइन करा सकते हैं। विनमोर एकेडमी की प्रिंसिपल चित्रा शर्मा ने कहा कि सीस्टार एक प्रतिष्ठित मंच है जहां छात्र अपनी शैक्षणिक दक्षता और आलोचनात्मक सोच क्षमताओं का परीक्षण कर सकते हैं। इस प्रतियोगी मूल्यांकन की प्रारंभिक परीक्षा 31 जनवरीको विद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। विनमोर एकेडमी, व्हाइटफील्ड में हमारा मानना है कि हर बच्चे में अपनी अनूठी प्रतिभा दिखाने की क्षमता होती है। सीस्टार छात्रवृत्ति सिर्फ एक प्रतियोगिता नहीं है; यह एक अवसर है। यह छात्रों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और अपने लिए उच्च लक्ष्य निर्धारित करने में सक्षम बनाती है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को ट्यूशन फीस का 30 प्रतिशत तक कवर करने वाली छात्रवृत्ति मिलेगी।

द्रमुक नीत गठबंधन विधानसभा चुनाव में 200 से ज्यादा सीटें जीतेगा : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों में कुल 234 सीट में से 200 से अधिक सीट पर जीत हासिल करेगा। राज्य में मार्च-अप्रैल तक चुनाव होने की संभावना है। 'पोंगल' उत्सव के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि विभिन्न दलों के लोग, और भाजपा में शामिल लोग भी कहते हैं कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) कार्यकर्ताओं की तरह कोई काम नहीं कर सकता।

स्टालिन ने कहा कि जब द्रमुक ने पार्टी के संस्थापक सीएन अन्नादुराई के नेतृत्व में 1967 में सरकार बनाई, तो कांग्रेस नेता एम. भक्तवत्सलम ने द्रमुक कार्यकर्ताओं की मेहनत के बारे में बात की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता का स्तर आज भी उतना ही है। स्टालिन ने कहा उन्होंने पूर्व में कहा था कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला गठबंधन कम से कम 200 सीटें जीतेगा।

स्टालिन ने कहा कि हालांकि, सरकार के ठोस कार्यों को देखते हुए उन्हें विश्वास हो गया है कि द्रमुक नीत गठबंधन 200 से भी ज्यादा सीट जीतेगा। तमिलनाडु में विधानसभा की 234 सीटे हैं। उन्होंने कहा, ''इसी आत्मविश्वास के साथ हम पोंगल का त्योहार मना रहे हैं।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने सेंसर बोर्ड पर टिप्पणी को लेकर स्टालिन पर निशाना साधा

कोयंबटूर। भारतीय जनता पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेन्द्रन ने शनिवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के उस बयान पर तीखा हमला किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ''सेंसर बोर्ड भाजपा सरकार का एक नया हथियार बन गया है।'' नागेन्द्रन ने यह भी जानना चाहा कि क्या मुख्यमंत्री को यह जानकारी है कि फिल्म 'पराशक्ति' को 10 जनवरी को रिलीज से पहले प्रमाणपत्र दे दिया गया है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) फिल्मों को प्रमाणित करने में अपने नियमों का पालन करता है और जब उसने पराशक्ति' फिल्म को मंजूरी दे दी है, तो फिर अभिनेता विजय अभिनीत जन नायकन' की प्रमाणन से जुड़े मुद्दों को मुख्यमंत्री केंद्र सरकार से क्यों जोड़ रहे हैं। नागेन्द्रन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''क्या उन्हें (स्टालिन को) यह नहीं पता कि उसी सेंसर बोर्ड ने 'पराशक्ति' को मंजूरी दी है? यह किसकी फिल्म है? इसे प्रमाणन कैसे मिला? सीबीएफसी के अपने नियम हैं, जिनका वह पालन करता है।''

उन्होंने यह टिप्पणी तब की, जब शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुख्यमंत्री के उस पोस्ट की ओर उनका ध्यान दिलाया गया, जिसमें उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर सेंसर बोर्ड को ''नया हथियार'' बनाने का आरोप लगाया था। अभिनेता से नेता बने विजय की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' कुछ अप्रत्याशित कानूनी अड़चनों और सेंसर बोर्ड से जुड़ी समस्याओं के कारण तय कार्यक्रम के अनुसार नौ जनवरी को रिलीज नहीं हो सकी।

फिल्म के प्रमाणन को लेकर हुए विवाद के बाद इसके निर्माता वेंकट के. नारायण (केवीएन प्रोडक्शंस) ने कहा, ''यह उन सभी लोगों के लिए बेहद भावुक और कठिन समय रहा है, जिन्होंने इस फिल्म में अपना दिल, आत्मा और वर्षों की मेहनत लगाई है। सबसे बढ़कर, हमारा दृढ़ विश्वास है कि थलपति विजय सर अपने प्रशंसकों के दशकों के प्यार के जरिए अर्जित विदाई के हकदार हैं।'' कानूनी कार्यवाही पर एक वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि छह और सात जनवरी को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने यू/ए 16 प्लस प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया था। हालांकि, सीबीएफसी ने तुरंत इस फैसले को चुनौती दी और प्रमाणपत्र जारी करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी गई। उन्होंने देरी के लिए सभी से माफी मांगी।

जब नागेन्द्रन से पूछा गया कि 'जन नायकन' के लिए इतनी अड़चनें क्यों खड़ी की गईं, उन्होंने कहा, सेंसर बोर्ड ने नियमों का पालन किया।'

मोदी के नेतृत्व में देश शीघ्र बनेगा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि समाज की आत्मनिर्भरता और सामाजिक आयोजनों से देश मजबूत बनता है। सामाजिक संगठनों की शक्ति समाज एवं देश के लिए उपयोगी होती है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा के संकल्प को चरितार्थ किया है। यह समाज अपने मूल से जुड़े रहते हुए राष्ट्र की आवश्यकताओं में सहयोग के भाव से सदैव आगे रहता है। शाह शनिवार को जोधपुर के पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, देश की उत्पादन क्षमता में वृद्धि और स्वभाषा के उपयोग की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि भाषा ही समाज, धर्म और संस्कृति को जीवंत रखती है। इसलिए सभी अपने परिवार और परिचितों से स्वभाषा में संवाद करें जिससे नई पीढ़ी हमारे गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सके।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 में हर क्षेत्र में देश को अग्रणी बनाने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस संकल्प को हम सभी देशवासी अपना संकल्प बनाते हुए एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आजादी के 75 वर्ष से लेकर 100 वर्ष पूर्ण होने तक अमृत काल मनाने की पहल की है, जिससे देश दुनिया के सर्वोच्च स्थान पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंची है और जल्द ही हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

शाह ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न क्षेत्रों में देश को आगे बढ़ाया है। निर्यात दो गुना हुआ है, चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनी है, मैन्यूफेक्चरिंग में 70 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है और देश डिजिटल ट्रांजैक्शन में अग्रणी बना है। मोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग में दुनिया में द्वितीय स्थान पर हैं और स्टार्टअप, दवाईयों एवं ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में विश्व में तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने के लिए मजबूत प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने देश की आत्मनिर्भरता, विकास और उद्योग क्षेत्र में अपना अहम योगदान दिया है। मैन्यूफेक्चरिंग, ट्रेडिंग और तकनीक के क्षेत्र में भी प्रगतिशील समाज का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो के माध्यम से देश को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राजस्थान शौर्य, पराक्रम और उद्यमशीलता की धरती है। माहेश्वरी समाज भगवान महेश के संस्कारों से प्रेरित रहा है और सेवा, समर्पण व त्याग इसकी पहचान हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद के राष्ट्र निर्माण तक समाज का योगदान उल्लेखनीय रहा है। आज जब हमारा देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है तब नवाचार, तकनीक और उद्यमशीलता के माध्यम से समाज की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बिरला ने आह्वान किया कि परिवर्तन के इस दौर में सामूहिक संकल्प, कड़ी मेहनत और सामाजिक समरसता के साथ कार्य कर समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जाए। साथ ही, आर्थिक-सामाजिक संघर्ष से जूझ रहे वर्गों के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस अधिवेशन में गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन समाज के लिए प्रेरणादायक है और ऐसे नेतृत्व के साथ समाज विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन और ग्लोबल एक्सपो राजस्थान की सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत तथा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रदर्शन है। यह आयोजन समाज की एकता और सामाजिक प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है।

शर्मा ने कहा कि माहेश्वरी समाज भारत के सबसे प्राचीन और सम्मानित व्यापारिक समुदायों में से एक है। यह समाज देश प्रथम के सिद्धांत को अपने जीवन में उतारता रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती से निकला यह समाज आज पूरे विश्व में फैला हुआ है। माहेश्वरी समाज ने सदैव सेवा-त्याग-सदाचार के मूल्यों को जीवन में धारण किया है तथा समाज के विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। एकता, संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता और समाज सेवा की भावना माहेश्वरी समाज की सबसे बड़ी ताकत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में जो शांति और व्यवस्था है उसके पीछे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दृढ़ नेतृत्व है। नक्सलवाद का समूल नाश हो या कश्मीर से धारा 370 हटाना हर कदम पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ शाह की जीरो टॉलरेंस की नीति ने देश को सुरक्षित बनाया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प तेजी से साकार हो रहा है। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि माहेश्वरी समाज भारत माता के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है। यह समाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संदेश का वाचन भी किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माहेश्वरी समाज को समर्पित डाक टिकट जारी करने के साथ ही माहेश्वरी गौरव ग्रंथ व जैविक खेती पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने अपना घर आश्रम के प्रथम चरण का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के. के. विश्नोई, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक अतुल भंसाली, देवेन्द्र जोशी, अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महासभा के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

कन्हैयालाल के परिवार को न्याय कब मिलेगा बताएं शाह : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जयपुर दौरे से पहले केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। गहलोत ने शाह का राजस्थान में स्वागत करते हुए कहा कि गृह मंत्री को अपनी राजनीतिक चुप्पी तोड़नी चाहिए और बताना चाहिए कि कन्हैयालाल के परिवार को न्याय कब मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि शाह को भाषणों से परे हटकर राजस्थान की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर जवाब देना चाहिए।

गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान पधार रहे हैं। आपका यहां स्वागत है। उन्होंने लिखा, आपसे अपेक्षा है कि आज आप अपनी 'राजनीतिक चुप्पी' तोड़ेंगे और बताएंगे कि कन्हैयालाल के परिवार को न्याय कब मिलेगा? गहलोत ने पोस्ट में लिखा, आपके गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने घटना की रात ही यह मामला राजस्थान पुलिस से ले लिया था लेकिन एनआईए के पास ये मामला होने के बावजूद अब तक न्याय क्यों नहीं मिला है? उनका परिवार अब तक न्याय के लिए क्यों भटक रहा है। उन्होंने शाह पर पीड़ित परिवार को मुआवजे व सरकारी नौकरी को लेकर भी भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। गहलोत ने कहा, आप तो चुनाव में पांच लाख बनाम 50 लाख का असत्य बोलकर भ्रम फैलाने के चैंपियन थे। कन्हैयालाल के परिवार ने आपके झूठ को उजागर कर बता दिया है कि उनके परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा एवं दोनों पुत्रों को सरकारी नौकरी मिली थी। क्या आप राजस्थान की जनता से असत्य बोलने के लिए माफी मांगेंगे? पूर्व मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस मुद्दे पर आपने चुनाव लड़ा, उसे अब भुला दिया गया है। उन्होंने राजस्थान में कानून व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाया और कहा, आज राजस्थान में कानून का इकबाल खत्म हो चुका है।

रंगदारी, दुष्कर्म और माफिया राज से जनता त्रस्त है। बजरी माफिया रोज हत्याएं कर रहा है। गहलोत के अनुसार, हद तो तब हो गई जब दूसरे राज्यों की पुलिस यहां आकर कार्रवाई करती है और मुख्यमंत्री जी कहते हैं राजस्थान पुलिस को जानकारी ही नहीं है। उन्होंने लिखा, गृह मंत्री जी, भाषणों से परे हटकर राजस्थान की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर जवाब दीजिए। शाह शनिवार को जोधपुर व जयपुर में कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

घने कोहरे के कारण जीप से टकराई बस, चार पुलिसकर्मी घायल

जैसलमेर। जैसलमेर जिले में शनिवार सुबह सड़क हादसे में एक थाना प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा घने कोहरे की वजह से पुलिस की जीप व बस में आमने सामने की टक्कर के कारण हुआ। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना चाचा गांव के पास हुई जब मोहनगढ़ पुलिस थाने की एक टीम ड्यूटी के लिए पोकरण जा रही थी। पुलिस के अनुसार सुबह-सुबह भारी कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम थी जिससे मोहनगढ़ से पोकरण की ओर आ रही पुलिस की जीप से बस टकरा गई।

इस घटना में मोहनगढ़ के थाना प्रभारी बाबूराम और तीन कांस्टेबल घायल हो गए। घायल जवानों को शुरू में इलाज के लिए पोकरण अस्पताल ले जाया गया।

गौहत्या के विरोध में पोकरण बंद, प्रशासन सख्त : तीन आरोपी गिरफ्तार, एक का मकान ध्वस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोकरण। विधायक बोलेअपराधियों की संपत्ति होगी कुर्क पोकरण। केलावा गांव में 8 जनवरी को हुई गौहत्या की घटना के विरोध में शनिवार को हिंदू संगठनों के आह्वान पर पोकरण पूरी तरह बंद रहा। सुबह से ही बाजार बंद रहे और जगह-जगह पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। विरोध के दबाव के बीच पुलिस ने गौहत्या के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि नगरपालिका ने एक आरोपी के अवैध मकान पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। गौहत्या के विरोध में पंचायत समिति साकड़ा कार्यालय के सामने दोपहर 12:30 बजे आक्रोश रैली और सभा का आयोजन किया गया। नारेबाजी करते हुए बड़ी संख्या में लोग सभा स्थल पर पहुंचे। मंच पर पोकरण विधायक महंत प्रताप पूरी, जैसलमेर विधायक छोटू सिंह भाटी, पूर्व विधायक सांग सिंह, शैतान सिंह, संत समाज और हिंदू संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए विधायक महंत प्रताप पूरी ने कहा कि गौहत्या जैसे जघन्य अपराध के दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है और आरोपियों को सजा दिलाने के साथ उनकी संपत्तियां भी कुर्क की जाएंगी। उन्होंने गौमाता को राष्ट्र प्राणी घोषित करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पोकरण में ऐसी घटनाओं को दोहराया नहीं जाने दिया जाएगा। सभा के दौरान विधायक और संत समाज ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर गौहत्या की घटनाओं पर रोक और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

पोकरण डीवाईएसपी भवानी सिंह ने बताया कि पुलिस ने गफार खां (55), मुराद अली (24) और मोहम्मद सरीफ उर्फ कालू (23) को गिरफ्तार किया है। मामले में गहन पूछताछ जारी है। वहीं नगर पालिका की टीम ने गफार खां के रामदेवसर तालाब के पास बने अवैध मकान को ध्वस्त किया। सभा के बाद प्रशासन ने रामदेवसर तालाब के आगोर क्षेत्र में कब्रिस्तान से जुड़े अतिक्रमण पर भी कार्रवाई शुरू की। सड़क किनारे बनी दीवार को गिराया गया। मौके पर एसडीएम हीर सिंह, एसपी प्रवीण कुमार, डीवाईएसपी भवानी सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि इस बंद को आरएसएस, विहिप, बजरंग दल सहित अन्य संगठनों का समर्थन मिला। घटना को लेकर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी सोशल मीडिया पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कार्रवाई की बात कही थी।

ईडी राजस्थान मध्याह्न भोजन 'घोटाले' की जांच के लिए जल्द ही मामला दर्ज करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) राजस्थान में पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मध्याह्न भोजन योजना के कार्यान्वयन में कथित तौर पर हुई 2,000 करोड़ रुपये की अनियमितताओं की जांच के लिए धनशोधन का मामला दर्ज करने जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सात जनवरी को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, भारतीय दंड संहिता और राजस्थान सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत राजस्थान सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (कॉन्फेड) के कुछ सेवानिवृत्त अधिकारियों, कुछ निजी व्यक्तियों और कंपनियों सहित 21 आरोपियों को नामजद किया।

'पीटीआई-भाषा' के पास इस प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध है। बाईस पृष्ठों की प्राथमिकी में कहा गया है कि यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राज्य में पात्र स्कूली बच्चों को दाल, भोजन पकाने के तेल और मसाले युक्त सूखे राशन के पैकेट उपलब्ध कराने में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के 2024 में भेजे गए एक संदर्भ से उत्पन्न हुआ है। एसीबी की प्राथमिकी के अनुसार, पहली से आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले तीन करोड़ से अधिक छात्रों को 2020-23 के बीच पांच चरणों में सूखे राशन के पैकेट उपलब्ध कराए गए थे और राजस्थान सरकार ने इस पर 2,023.91 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 66(2) के तहत एसीबी को संदर्भ भेजा, जिसके तहत इसे पुलिस या नामित कानून प्रवर्तन एजेंसी के साथ अपराध के संबंध में जानकारी साझा करने का अधिकार है। ईडी ने अपने पत्र में दावा किया है कि उसने 2020-23 के बीच राज्य में मध्याह्न भोजन योजना के कार्यान्वयन में कथित तौर पर 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के भ्रष्टाचार से संबंधित सबूतों का पता लगाया है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने 2023 में इस मामले में एक ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) दर्ज की थी, लेकिन राज्य पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिक मामला बंद कर दिया, जिसके कारण पीएमएलए का मामला भी बंद हो गया। ईसीआईआर पुलिस प्राथमिकी के बराबर होता है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी ने 2024 में अपने द्वारा जुटाए गए सबूत एसीबी को भेजे और अब राज्य एजेंसी ने प्राथमिकी दर्ज की है। सूत्रों ने बताया कि जल्द ही धनशोधन का एक नया मामला दर्ज किया जाएगा, ताकि ''घोटाले'' का पर्दाफाश किया जा सके, अपराध से प्राप्त संभावित धनराशि को जब्त किया जा सके और आरोपियों पर धनशोधन रोधी कानून के तहत मुकदमा चलाया जा सके।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शुक्रवार को पूर्व अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा इस मामले में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी के आरोपों का खंडन किया। डोटासरा ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर नौकरशाही को बदनाम करने और अपनी विफलताओं से ''ध्यान हटाने'' के लिए एक ''झूठी कहानी'' गढ़ने का आरोप लगाया।

सांगानेर में अवैध भूमि विभाजन और निर्माण के खिलाफ लोकायुक्त से शिकायत

जयपुर। जयपुर की एक रियल एस्टेट कंपनी ने अपने भूखंड के कथित अवैध विभाजन और सांगानेर क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण पर अधिकारियों की निष्क्रियता को लेकर लोकायुक्त का दरवाजा खटखटाया है। यह जानकारी कंपनी के एक अधिकारी ने दी। कंपनी के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 'राजदरबार पिंक सिटी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड' ने इस संबंध में लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज कराकर राजस्व अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2021 में प्रमुख कृषि भूमि का विभाजन किया गया और नगर निकायों ने अवैध निर्माण पर कोई कार्रवाई नहीं की।

सिंह के अनुसार, कंपनी ने सात जनवरी को दाखिल शिकायत में आरोप लगाया कि सांगानेर तहसीलदार और अन्य अधिकारियों ने जयसिंहपुरा बास गांव, भांकरोटा की कृषि भूमि का विभाजन कर दिया। यह भूमि लगभग 6.29 हेक्टेयर की है और इसमें कई खसरा नंबर शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि उसने 2005 में इसका आधा हिस्सा अविभाजित रूप में खरीदा था।

कंपनी के अनुसार, शेष हिस्से के सह-स्वामियों ने 23 फरवरी 2021 को बिना उसकी सहमति के विभाजन आदेश प्राप्त कर लिया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है। इससे कंपनी को वित्तीय नुकसान हुआ क्योंकि उसे भूमि के ऐसे हिस्से मिले जो अनुपयोगी थे। इसने यह भी आरोप लगाया कि भूमि का कुछ हिस्सा तीसरे पक्ष को बेच दिया गया, जिन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की मंजूरी के बिना निर्माण कर लिया और शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। कंपनी ने लोकायुक्त से मांग की है कि संबंधित खसरा नंबरों पर जेडीए की मंजूरी के बिना किए गए सभी निर्माणों को ध्वस्त किया जाए और सांगानेर तहसीलदार द्वारा बिना कंपनी की सहमति के पारित विभाजन आदेश को निरस्त किया जाए।

तेज रफ्तार कार ने 16 लोगों को रौंदा; एक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर शहर में तेज रफ्तार एक लग्जरी कार ने राहगीरों को टक्कर मार दी जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल चार लोगों को सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने बताया कि यह घटना शुक्रवार देर रात शहर की पत्रकार कॉलोनी इलाके में खरबास सर्कल के पास हुई जब तेज रफ्तार कार पहले डिवाइडर से टकराई और बेकाबू होकर 30 मीटर तक सड़क किनारे स्थित दुकानों और ठेलों को टक्कर मारती चली गई।

इस घटना में वहां खड़ी कई गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने बताया कि कार में चार लोग सवार थे और कथित तौर पर सभी नशे की हालत में थे। उसने बताया कि एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य मौके से फरार हो गए। उसने बताया कि कार को जब्त कर लिया गया है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए जयपुरिया अस्पताल ले जाया गया। इनमें से आठ लोगों को भर्ती किया गया, जबकि अन्य को निजी अस्पतालों में ले जाया गया या वे परिजनों के साथ घर चले गए।

पुलिस ने बताया कि घायलों में से एक भीलवाड़ा निवासी रमेश बैरवा की बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल चार मरीजों को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटना पर दुख जताया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को उचित इलाज उपलब्ध कराया जाए। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने घायलों का हाल जानने के लिए जयपुरिया अस्पताल का दौरा किया।

राजस्थान के कई इलाकों में शीतलहर जारी

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के कई इलाकों में शीतलहर का दौर जारी है जहां शुक्रवार रात को दौसा में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में कई जगह शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में कई जगह मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। कई स्थानों पर शीतलहर के कारण 'शीत दिवस' दर्ज किया गया। इस दौरान न्यूनतम तापमान दौसा में 3.5 डिग्री, अलवर में 3.6 डिग्री, गंगानगर में 3.9 डिग्री, नागौर में 4.2 डिग्री, फतेहपुर में 4.4 डिग्री, पिलानी व जैसलमेर में 4.5 डिग्री, लूणकरणसर में 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में अधिकतर जगह न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अधिकतर भाग में आगामी एक सप्ताह मौसम मुख्यतः शुष्क रहने तथा पश्चिमी, उत्तरी व पूर्वी भाग के कुछ हिस्सों में आगामी दिनों में घना कोहरा व 'शीत दिवस' की स्थिति बने रहने का अनुमान है। इसी तरह राज्य के उत्तरी भागों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आ सकती है व शीतलहर चलने का अनुमान है।

नगर निगम 12 से 31 तक लगाए जाएंगे घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र सहायता शिविर

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रदेश के घुमन्तु समुदाय (विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के व्यक्तियों को केन्द्र/राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए जिलों में 12 से 31 जनवरी तक ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी करने के लिए पहचान प्रमाण पत्र सहायता शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सुशासन में राज्य सरकार द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि घुमन्तु समुदाय (विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु) के सभी व्यक्तियों को ऑनलाइन घुमन्तु पहचान प्रमाण पत्र जारी कर राज्य की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इसके लिए समस्त जिलों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की समस्त पंचायत समिति एवं नगरपालिका या नगर परिषद या नगर निगम में 12 से 31 जनवरी तक विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु सहायता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

असम में पिछले पांच साल में 1.56 लाख युवाओं को मिली सरकारी नौकरी : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने पिछले पांच वर्षों में विभिन्न विभागों में 1.56 लाख युवाओं की भर्ती की है। उन्होंने वादा किया है कि शेष सभी भर्तियां 10 फरवरी तक पूरी कर ली जाएंगी, जिससे कुल संख्या 1.60 लाख हो जाएगी। उन्होंने असम प्रत्यक्ष भर्ती परीक्षा (एडीआरई) के तहत 6,347 ग्रेड-3 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और मुकदमेबाजी से मुक्त रही है। उन्होंने कहा कि इन भर्तियों को लेकर उच्च न्यायालय में कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है और असम के योग्यता-आधारित भर्ती मॉडल का अध्ययन अब देश भर के अन्य राज्यों द्वारा किया जा रहा है।

चुनाव के दौरान ईडी विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई क्यों तेज कर देती है : सिब्बल ने पूछा

नई दिल्ली/भाषा। निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को इस बात पर हैरानी जताई कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) विपक्षी नेताओं के खिलाफ केवल चुनाव के दौरान ही कार्रवाई क्यों करता है और उन्होंने उच्चतम न्यायालय से जांच एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र के संबंध मे लंबित पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई करने का अनुरोध किया। सिब्बल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में ईडी की कार्रवाई के पीछे एकमात्र मकसद विपक्षी नेताओं को परेशान करना प्रतीत होता है और उन्होंने झारखंड में हेमंत सोरेन और बिहार में विधानसभा चुनाव के दौरान लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव के खिलाफ जांच एजेंसी की कार्रवाई के उदाहरण दिए।

उन्होंने यह भी पूछा कि पश्चिम बंगाल में आई-पैक के खिलाफ छापेमारी के बाद प्रवर्तन निदेशालय किस बात की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी सभी दस्तावेजों को अपने साथ नहीं ले जा सकती। ईडी ने बृहस्पतिवार को कोयला तस्करी के एक मामले के सिलसिले में कोलकाता में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख के आवास पर छापेमारी की थी।

अयोध्या में राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश करने पर एक व्यक्ति हिरासत में लिया गया

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर परिसर में कथित तौर पर नमाज पढ़ने की कोशिश करने के आरोप में कश्मीर निवासी अहमद शेख को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को कश्मीर निवासी अहमद शेख (55) को हिरासत में ले लिया गया, जिसने कथित तौर पर उच्च सुरक्षा वाले राम मंदिर परिसर के अंदर नमाज पढ़ने का प्रयास किया और रोके जाने पर नारे लगाए। पुलिस अधीक्षक (सुरक्षा) बलरामचारी दुबे के अनुसार आरोपी की पहचान कश्मीर के शोपियां जिले के निवासी अहमद शेख के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि अहमद दिन के समय मंदिर परिसर में दाखिल हुआ, मंदिर के दर्शन किए और बाद में सीता रसोई क्षेत्र के पास बैठ गया जहां वह कथित तौर पर नमाज पढ़ने की तैयारी कर रहा था। पुलिस के अनुसार सुरक्षाकर्मियों ने उसकी हरकतों को देखा और तुरंत हस्तक्षेप किया, जिसके बाद मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों ने उसे हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। सूत्रों का दावा है कि रोके जाने पर उसने कथित तौर पर नारे लगाए।

सेना की त्रिशक्ति कोर ने पूर्व सैनिकों के लिए दवाओं की 'होम डिलीवरी' शुरू की

गंगटोक/भाषा। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर ने सिक्किम में पात्र पूर्व सैनिकों के लिए आवश्यक दवाओं को उनके घर पर पहुंचाने (होम डिलीवरी) के लिए एक पायलट परियोजना शुरू की है। शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

यह परियोजना डाक विभाग और सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के सहयोग से लागू की जा रही है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले पूर्व सैनिकों के लिए दवाओं की सुरक्षित, समय पर और सुलभ आपूर्ति सुनिश्चित करना है। बयान के अनुसार, शुरुआती जांच के दौरान गंगटोक स्थित पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) पॉलीक्लिनिक ने दक्षिण, उत्तर और पश्चिम सिक्किम में रहने वाले 58 लाभार्थियों की पहचान की है। इसमें बताया गया है कि इन पूर्व सैनिकों को लंबी दूरी, कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और चलने-फिरने में असमर्थता के कारण दवाओं के लिए स्वयं आने में काफी कठिनाई होती है।

कांग्रेस 'भ्रष्टाचार की जननी', 2027 में समाजवादी पार्टी साफ़ हो जाएगी : मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बरेली (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को कांग्रेस को 'भ्रष्टाचार की जननी' करार देते हुए दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूरी तरह साफ हो जाएगी। बरेली के सर्किट हाउस में मौर्य ने पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा कि 2027 में होने वाला विधानसभा चुनाव भाजपा के खाते में जाएगा और सपा पूरी तरह साफ हो जाएगी।

बिहार का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जातिवादी और परिवारवादी राजनीति करने वालों को जनता पसंद नहीं करती है।

मौर्य ने कहा कि सभी जानते है जब कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तो वह कहते थे कि जब हम संसद से एक रुपया भेजते है तो लाभार्थी तक जाते जाते 25 पैसे रह जाते थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार में भ्रष्टाचार खत्म हुआ। अब योजनाओं का पूरा पैसा लाभार्थियों के सीधे अकाउंट में पहुंचता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि न खाऊंगा न खाने दूंगा। उन्होंने केंद्र के नए कानून की सराहना करते हुए कहा कि 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण' (वीबी-जी राम जी) अधिनियम में अब कोई गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा के नाम से जो योजना चल रही थी अब उसकी जगह 'वीबी जी राम जी' को महीनेभर के अंदर जमीन पर लागू कर दिया जाएगा जिससे श्रमिकों को अधिक रोजगार मिलेगा और मजदूर को सात दिन के अंदर उसका भुगतान मिल जाएगा। उन्होंने कहा कांग्रेस, सपा, टीएमसी इन सबको राम जी के नाम से नफरत है। राम जी का नाम सुनने से इनमें खलबली मच जाती है, पेट में दर्द होता है। मौर्य ने कहा कि उनकी पार्टी के विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी का दो जनवरी को निधन हो गया था और आज वह उनके घर पर श्रद्धांजलि देने गए थे। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर श्याम बिहारी के निधन से पूरा बरेली दुखी है और भगवान उनके समर्थकों को दुख सहने की शक्ति दे। उन्होंने कहा कि मनरेगा के नाम से जो योजना श्रमिकों के विकास के लिए चल रही थी उसके तहत 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने के बाद भी गांव का विकास नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि पहले 100 दिन काम था, अब नई योजना में 125 दिन काम मिलेगा।

मौर्य ने कहा कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मिलने वाला निश्चित रोजगार 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है तथा कृषि कार्यों के लिए 60 दिन का काम आरक्षित किया गया है। इस प्रकार नया 'वीबी जी राम जी' कानून 185 दिनों के काम की गारंटी देता है।

रिकॉर्ड में सुधार के बजाय मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया है एसआईआर : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया रिकॉर्ड सही करने के बजाय मतदाताओं के नाम हटाने की कवायद बना दी गई है।

एसआईआर शुरू होने के बाद से कुमार को लिखे अपने तीसरे पत्र में, बनर्जी ने निर्वाचन आयोग पर राजनीतिक पक्षपात, असंवेदनशीलता और मनमानी करने का आरोप लगाया। उन्होंने तीन पृष्ठों के पत्र में कहा, ''सुनवाई की प्रक्रिया काफी हद तक यांत्रिक हो गई है, जो पूरी तरह से तकनीकी आंकड़ों द्वारा संचालित है और इसमें विवेक, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण का पूरी तरह अभाव है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य ''न तो सुधार करना है और न ही नाम जोड़ना...बल्कि केवल नाम काटना है।'' बनर्जी ने दावा किया कि वर्तनी या उम्र संबंधी मामूली त्रुटियों के कारण आम लोगों को जबरन सुनवाई, उत्पीड़न और वेतन हानि का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने शादी के बाद उपनाम बदलने वाली महिलाओं की दिक्कतों को भी रेखांकित करते हुए कहा कि उन्हें अपनी पहचान साबित करने के लिए बुलाया जा रहा है।

क्या भाजपा ईडी और निर्वाचन आयोग की मदद से हमें रोक सकती है: अभिषेक बनर्जी

साल्टोरा/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को पूछा कि क्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लगता है कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और निर्वाचन आयोग का दुरुपयोग कर उनकी पार्टी को रोक सकती है। अभिषेक की यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कोलकाता में एक राजनीतिक परामर्श फर्म से जुड़े परिसरों पर ईडी की हालिया छापेमारी की पृष्ठभूमि में आई है। बांकुड़ा में आयोजित रैली में अभिषेक ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस केंद्रीय एजेंसियों के दबाव के आगे नहीं झुकेगी। उन्होंने कहा, क्या भाजपा को लगता है कि वह ईडी और निर्वाचन आयोग की मदद से हमें रोक सकती है? तृणमूल कांग्रेस कभी भी ऐसे किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगी।

तृणमूल नेता ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कहना चाहता हूं कि वे बंगाल के इतिहास और राष्ट्र निर्माण में स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन रॉय, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और ईश्वरचंद्र विद्यासागर के योगदान के बारे में जानकारी हासिल करें। उन्होंने पश्चिम बंगाल में 2011 में हुए विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की जीत का जिक्र करते हुए दावा किया कि अगर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नहीं होतीं, तो मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) राज्य में सत्ता में बनी रहती।

राउरकेला के समीप उतरते समय एक निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त, छह यात्री घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राउरकेला/भुवनेश्वर/भाषा। राउरकेला के पास एक निजी एयरलाइन के छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से शनिवार को छह लोग घायल हो गए। ओडिशा के वाणिज्य और परिवहन मंत्री बीबी जेना ने यह जानकारी दी।

जेना ने पत्रकारों को बताया, ''नौ सीटों वाले एक निजी ए-1 विमान में छह यात्री सवार थे, तभी वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह दुर्घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जलदा में हुई। ईश्वर की कृपा से यह कोई बड़ी दुर्घटना नहीं है।'' राउरकेला के पुलिस अधीक्षक (एसपी) नितेश वधवानी ने बताया कि विमान में दो महिलाओं और दो पायलट सहित चार यात्री सवार थे। उन्होंने बताया कि कैप्टन नवीन और कैप्टन तरुण विमान उड़ा रहे थे।

एसपी ने बताया, ''गंभीर रूप से घायल दो लोगों को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उनमें कैप्टन नवीन और एक अन्य व्यक्ति शामिल है। कैप्टन नवीन को सिर में चोट आयी है।'' घायल हुए तीनों यात्रियों की पहचान सुशांत कुमार बिस्वाल, अनीता साहू, सुनील अग्रवाल और सविता अग्रवाल के रूप में हुई है। संबलपुर के दौरे पर गए मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने स्थिति की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को यात्रियों, पायलट और अधिकारियों को राज्य की ओर से हरसंभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राउरकेला में हुए विमान हादसे के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। भगवान जगन्नाथ की कृपा से सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की खबर से मुझे राहत मिली है। मैंने निर्देश दिया है कि इस घटना में घायल हुए लोगों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएं। मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहा हूं। मैं भगवान श्री जगन्नाथ से सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।''

जद(यू) ने नीतीश को भारत रत्न देने संबंधी त्यागी के अनुरोध से दूरी बनाई

पटना/भाषा। जनता दल (यूनाइटेड) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न से सम्मानित करने संबंधी पार्टी नेता केसी त्यागी के अनुरोध से शनिवार को दूरी बना ली और इस मांग को उनका निजी विचार बताते हुए कहा कि यह पार्टी की विचारधारा के अनुरूप नहीं है।

बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में त्यागी ने कहा कि कुमार समाजवादी आंदोलन के अनमोल रत्न हैं और उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाना चाहिए। त्यागी के इस पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जद(यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, पार्टी के पूर्व सांसद ने हाल में कई ऐसे बयान दिए हैं, जो पार्टी की विचारधारा और आधिकारिक रुख के अनुरूप नहीं हैं। उनके सभी बयान उनकी व्यक्तिगत राय माने जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जद(यू) के पदाधिकारी इस बात को लेकर भी पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि त्यागी अब भी पार्टी में किसी पद पर हैं या नहीं।

प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में त्यागी ने कहा, 30 मार्च 2024 हमारे पूर्वजों को सम्मान दिए जाने का दिन था। आपके प्रयासों की बदौलत उन्हें देश का सबसे बड़ा सम्मान 'भारत रत्न' मिला।

मणिपुर में धमकियों के कारण घाटी के जिलों में पेट्रोल पंप अनिश्चितकाल के लिए बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। बिष्णुपुर जिले में एक पेट्रोप पंप पर बम हमले के दो दिन बाद 'मणिपुर पेट्रोलियम डीलर्स फ्रटर्नटी' (एमपीडीएफ) ने अपनी मांगें पूरी होने तक शनिवार से ''घाटी क्षेत्र और इसके आसपास के इलाकों'' में सभी पेट्रोल पंप को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा की।

एमपीडीएफ ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को लिखे पत्र में कहा, ''राज्य के अधिकारियों ने पेट्रोल पंप/डीलर की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं, लेकिन हम अब भी गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं, जैसा कि बृहस्पतिवार रात को हुए बम विस्फोट से पता चलता है।'' पेट्रोल पंप पर बम विस्फोट से हुए नुकसान के लिए मुआवजे का अनुरोध करते हुए एमपीडीएफ ने कहा कि उसने सर्वसम्मति से शनिवार से घाटी क्षेत्रों और इसके आसपास के इलाकों में सभी पेट्रोल पंप को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का निर्णय लिया है, जब तक कि ''तत्काल ध्यान और सौहार्दपूर्ण समाधान'' प्रदान नहीं किया जाता। बृहस्पतिवार रात अज्ञात लोगों ने बिष्णुपुर जिले के मोइरांग में पेट्रोल पंप पर बम फेंका, जिससे विस्फोट हो गया। एमपीडीएफ ने सरकार से पेट्रोल पंप, डीलर और कर्मचारियों की सुरक्षा बढ़ाने के साथ यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो। एमपीडीएफ ने सरकार से भविष्य में बम विस्फोट, अपहरण जैसी किसी घटना मामले में पूरी जवाबदेही लेने और पेट्रोल पंप के बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान की भरपाई करने और यदि डीलर या कर्मचारी घायल हो जाते हैं या ऐसी घटनाओं में मारे जाते हैं तो अधिकतम मुआवजा देने के लिए भी कहा।

अखिलेश ने ईसीआई की 'विश्वसनीयता' पर सवाल उठाया,कहा-

भाजपा को कैसे पता था कि कितने मतदाता हटाए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की 'विश्वसनीयता' पर सवाल उठाते हुए शनिवार को पूछा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं को मतदाता सूचियों से हटाए जाने वाले मतदाताओं की संख्या के बारे में कैसे पता चला।

लखनऊ में संवाददाताओं से बातचीत में यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया गया। बूथ स्तर के एजेंटों (बीएलए) समेत सभी राजनीतिक दलों ने बिना किसी आपत्ति के इस प्रक्रिया में भाग लिया।

मंगलवार को मसौदा मतदाता सूची जारी होने के बाद यादव ने कहा कि उन्हें तीन करोड़ मतदाताओं के हटाए जाने की आशंका थी। हालांकि, यादव ने कहा कि मसौदा मतदाता सूची जारी होने से पहले ही (जब किसी को यह पता नहीं था कि कितने मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा था कि लगभग चार करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे।

यादव ने बताया कि कन्नौज के एक पूर्व सांसद ने भी कहा कि एक जिले में पहले ही तीन लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग जिलों के दो विधानसभा क्षेत्र से भी मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। यादव ने कहा कि अगर भाजपा नेता ऐसे बयान दे रहे हैं, तो निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं।

पीलीभीत में नेपाल से आए हाथियों ने मचाया उत्पात, फसलें बर्बाद कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पीलीभीत (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत बाघ संरक्षित क्षेत्र(पीटीआर) से सटे गांवों में नेपाल के गौरी फंटा अभयारण्य से आए हाथियों के झुंड ने महुआ, गोयल कॉलोनी और सिरसा सरदाह सहित कई गांवों में सैकड़ों बीघा फसलें नष्ट कर दीं। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की।

उन्होंने कहा कि गन्ना, गेहूं, धान, सरसों और मसूर की खड़ी फसलें हाथियों ने रौंदकर किसानों को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। वन दरोगा अमित तिवारी और डिप्टी रेंजर शेर सिंह ने पत्रकारों को बताया कि टीमें मशाल और पटाखों की मदद से हाथियों को भगाने का प्रयास कर रही हैं। महुआ गांव के प्रभावित किसानों श्रीकृष्णा और प्रेम प्रकाश ने बताया के खेतों में सिंचाई के लिए लगे पंपसेट को हाथियों ने पलट दिया और करीब 50 मीटर तक घसीट ले गए।

प्रेम प्रकाश ने बताया कि एक जनवरी से लगातार हाथी उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। किसान गौरीशंकर ने कहा कि फसल बर्बाद होने से बच्चों की स्कूल फीस भरने तक की समस्या खड़ी हो गई है।

रोहित ने दिए सिराज को बल्लेबाजी के टिप्स, पंत को लगी चोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

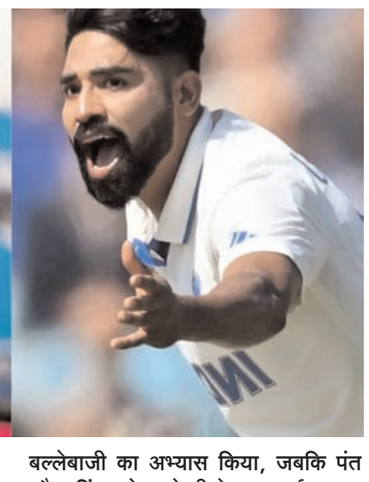

वडोदरा/भाषा। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करके वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे शृंखला से पहले शनिवार को यहां पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से बल्लेबाजी के टिप्स लिए जबकि ऋषभ पंत को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने के बाद थोड़ी देर के लिए उपचार लेने की जरूरत पड़ी।

रोहित तब नेट के बाहर इंतजार कर रहे थे जब जल्दी बल्लेबाजी करने के लिए उतरे सिराज गेंद को जोर से मारने की कोशिश में चूक गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फिर तेज गेंदबाज को कुछ टिप्स दिए। सिराज ने भारत के वैकल्पिक अभ्यास सत्र के दौरान केवल बल्लेबाजी का अभ्यास किया। भारतीय टीम के कई अन्य सदस्यों ने भी अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया।

विजय हजारे ट्रॉफी में गुरुवार को पंजाब के खिलाफ मुंबई की एक रन से करीबी हार में कप्तानी करने वाले भारतीय उप-कप्तान श्रेयस अय्यर ने केएल राहुल के साथ बल्लेबाजी का अभ्यास किया, जबकि पंत और रविंद्र जडेजा ने भी नेट पर पर्याप्त समय बिताया।

सिराज, अय्यर और पंत अपने अपने राज्यों की टीम से विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लेकर यहां पहुंचे हैं। उन्होंने 50 ओवर के इस टूर्नामेंट में अपना अंतिम मैच आठ जनवरी को खेला था।

हालांकि पंत भारतीय थ्रोडाउन विशेषज्ञों के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय कमर के ठीक ऊपर चोट लगने से दर्द से कराह उठे और टीम के सहायक कर्मचारियों और मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित अन्य सदस्य तुरंत ही उनका हाल-चाल जानने के लिए उनके पास पहुंच गए।

प्रारंभिक उपचार के बाद पंत बीसीए स्टेडियम के ग्राउंड बी मैदान से बाहर चले गए, जहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल को चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के साथ लंबी बातचीत करते हुए देखा गया।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की शृंखला का पहला मैच रविवार को यहां बड़ौदा क्रिकेट संघ स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा वनडे 14 जनवरी को राजकोट और तीसरा वनडे 18 जनवरी को इंदौर में खेला जाएगा।

युवा ऑलराउंडर श्वेता सहरावत की प्रगति से प्रभावित हैं शिखर धवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा कि श्वेता सहरावत ने एक खिलाड़ी और एक नेतृत्वकर्ता के रूप में उल्लेखनीय प्रगति की है और उन्हें उम्मीद है कि यह युवा ऑलराउंडर महिला प्रीमियर लीग में (डब्ल्यूपीएल) नई ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहेगी।

महिला प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में यूपी वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व कर रही सहरावत ने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। उन्होंने डब्ल्यूपीएल की 2024 के सत्र में 108 और 2025 में 119 रन बनाए थे। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की फ्रेंचाइजी साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ के सह-मालिक धवन ने एक विज्ञप्ति में कहा, '' श्वेता ने एक खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता के रूप में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी अगुवाई में साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ ने डीपीएल का खिताब जीता जिससे पता चलता है कि वह दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम है।'' उन्होंने कहा, ''हम यूपी वॉरियर्स के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वह इस विजयी मानसिकता को बरकरार रखते हुए डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी भी जीतेगी।''

श्वेता ने 2025 में दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी कप्तानी में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में 110 रन की मैच विजेता पारी खेली जो इस प्रतियोगिता में उनका सर्वोच्च स्कोर था।

सुविचार

जहाँ कोशिशों की उचाई बड़ी होती है वहां किस्मत को भी झुकना पड़ता है

ट्वीट

काम का अधिकार' कोई भीख नहीं, बल्कि देश के गरीब का कानूनी हक है जिसे छ-उ के माध्यम से श्रीमती सोनिया गांधी जी ने सुनिश्चित किया था। केंद्र की भाजपा सरकार 'वी.बी.जी. राम जी योजना' लाकर मनरेगा को व्यवस्थित रूप से खत्म करना चाहती है।

-अशोक गहलोत

जोधपुर के पूर्व महापौर एवं लघु उद्योग भारती के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री घनश्याम ओझा जी की धर्मपत्नी स्वर्गीय शांति देवी जी को जोधपुर स्थित उनके निवास पहुँचकर पुष्पांजलि अर्पित की। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

देहरी

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

सूरज की रोशनी कल्याणी देवी के बंद दरवाजे और मुरारी काका की खुली झोपड़ी, दोनों पर एक समान पड़ रही थी। लेकिन 'आकाशगंगा हाइट्स' के चमकते शीशों वाले फ़्लैट्स आज उस पुरानी झुग्गी के सामने धुंधले लग रहे थे। उसने मन ही मन प्रार्थना की, 'हे ईश्वर! चमकती गाड़ियों वाले पड़ोसी चाहे न देना, पर मुरारी काका जैसा 'पड़ोसी' हर देहरी पर सलामत रखना।' इधर मानवी ने अपने घर के देहरी पर कदम रखा और उधर मुरारी काका रिक्शा मोड़कर अपनी झोपड़ी की ओर बढ़ रहे थे।

रात का तीसरा पहर, जब समय खुद भी ठिठक कर खड़ा हो जाता है। न रात पूरी तरह अपनी पकड़ छोड़ती है, न सुबह भरोसे के साथ दस्तक देती है। अंधेरे और उजाले के बीच का यह अंतराल अक्सर सबसे भारी होता है।

उस रात सन्नाटा अस्वाभाविक रूप से घना लग रहा था। सीसीटीवी कैमरों की लाल बत्तियाँ टिमटिमा रही थीं, जैसे किसी अनकहे भय की पहरेदारी कर रही हों। पेड़ों की पत्तियाँ हवा में हिलतीं तो लगता, कोई दबे पाँव गलियारे में घूम रहा है। तभी उस सन्नाटे को चीरती हुई एक आवाज़ सुनाई दी। ठक ठक ठक।

यह आवाज़ किसी साधारण दस्तक जैसी नहीं थी। इसमें एक अजीब सी बेचैनी थी, एक आदिम भय की गूँज थी। फ्लैट नंबर 402 में कल्याणी की नींद झटके से खुली। उनकी नज़र दीवार पर टंगी पेंडुलम घड़ी पर गई, तीन बजकर बारह मिनट हो रहे थे। उन्होंने मन ही मन बुदबुदाया, इस वक़्त कौन हो सकता है ? एयरकंडीशनर की स्थिर घरघराहट के बीच भी कल्याणी को अपनी धड़कनें साफ़ सुनाई दे रही थीं। उन्होंने पास सो रहे अपने पति, समीर को देखा। समीर गहरी नींद में थे। शुगर और हाई बीपी की भारी डोज़ वाली दवाइयाँ उन्हें होश की दुनिया से मीलों दूर ले गई थीं।

कल्याणी दबे पाँव उठीं और मुख्य दरवाज़े के डिजिटल सेंसर स्क्रीन की ओर बढ़ीं। स्क्रीन पर जो चेहरा उभरा, उसने कल्याणी के माथे पर पसीने की बूंदें ला दीं। वह मानवी थी। बगल वाले फ्लैट की वह लड़की, जिसे 'आकाशगंगा हाइट्स' के लोग अक्सर संदेह और तिरस्कार की नज़रों से देखते थे। मानवी एक स्वतंत्र पत्रकार थी, जो अक्सर देर रात घर लौटती थी और जिसके घर 'अजीब' लोगों का आना-जाना लगा रहता था।

कल्याणी ने दरवाज़े की सुरक्षा जंजीर चढ़ाई और पल्ला थोड़ा सा खोला। इतनी रात को क्या हुआ मानवी? कल्याणी की आवाज़ में रूखापन और डर का मिला-जुला पुट था।

आंटी मेरी माँ मानवी की आवाज़ काँप रही थी, आँखें आंसुओं से धुंधली थीं।

उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। वे नीला पड़ रही हैं। एम्बुलेंस को कॉल किया है, पर वे कह रहे हैं कि जी-20 समिट के रूट डायवर्जन की वजह से उन्हें पहुँचने में चालीस मिनट लगेंगे। प्लीज़ अंकल से कहिए गाड़ी निकाल दें। सिर्फ हॉस्पिटल तक?

कल्याणी के मन में एक युद्ध छिड़ गया। एक ओर मरती हुई पड़ोसन थी ओर दूसरी उनकी अपनी असुरक्षाएँ। उन्होंने समीर की ओर देखा, जो शायद उठने की स्थिति में नहीं थे। लेकिन उससे बड़ा सच यह था कि कल्याणी को उस 'रात' से डर लगता था। उन्हें डर था कि अगर रास्ते में कुछ अनहोनी हो गई तो? अगर पुलिस केस हो गया तो?

देखो बेटा, कल्याणी ने ठंडे स्वर में कहा, समीर की तबीयत खुद बहुत खराब है। और ड्राइवर गाँव गया है। इस वक्त बाहर निकलना खतरे से खाली नहीं है। तुम सिक्योरिटी को क्यों नहीं बुलातीं?

आंटी, सिक्योरिटी के पास गाड़ियाँ नहीं हैं। वे सिर्फ गेट तक छोड़ सकते हैं। माँ के पास समय नहीं है! मानवी लगभग चिल्लाई।

सॉरी बेटा, हम मजबूर हैं। कल्याणी ने बड़ी निर्दयता से दरवाज़ा बंद कर लिया। कुंडी चढ़ने की आवाज़ मानवी के कानों में किसी गोली की तरह लगी।

भीतर कल्याणी को अपनी आत्मा पर एक बोझ महसूस हुआ, पर उन्होंने खुद को सांत्वना दी, दुनिया बहुत खराब है, अपनी सुरक्षा पहले देखनी पड़ती है।

मानवी खाली हाथ वापस अपने फ्लैट में दौड़ी। उसकी माँ, सुजाता, सोफे पर ढह गई थीं। उनका शरीर ठंडा पड़ रहा था। मानवी ने उनका हाथ अपने हाथ में लिया। उसे याद आया कि कैसे पिछले साल ही उनके पिता की मृत्यु हुई थी और अब उसकी पूरी दुनिया एक पतले धागे से लटकी थी।

मम्मी, हिम्मत मत हारना। मैं हूँ न।

मानवी बाहर निकली। लिफ्ट खराब थी। वह छह मंजिलें सीढ़ियों से नीचे उतरी। नीचे पार्किंग में सन्नाटा पसरा हुआ था। हर महंगी कार अपने मालिक के अहंकार की तरह ढकी हुई पड़ी थी। उसने गार्ड्स के केबिन की ओर दौड़ लगाई, पर वहाँ कोई नहीं था। शायद वे राउंड पर थे।

वह टाउनशिप के पिछले गेट की ओर भागी, जहाँ कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। वहाँ धूल, कंक्रीट और अंधेरे के बीच एक पुरानी झुग्गी थी। वहाँ 'मुरारी' काका रहते थे।

मुरारी, वही शख्स जिसे 'आकाशगंगा हाइट्स' की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने 'सुरक्षा के लिए खतरा' घोषित कर रखा था। वह दिन में मज़दूरी करता और रात में कूड़ा उठाने वालों की टोली को संभालता था। कल्याणी और समीर ने ही पिछले हफ्ते की मीटिंग में उसे वहाँ से हटवाने के लिए सुझाव दिए थे।

मुरारी काका! मानवी ने ज़ोर से चिल्लाया।

झुग्गी के फटे हुए पर्दे से एक अधेड़ उम्र का आदमी बाहर निकला। उसके हाथ गंदे थे, कपड़े फटे हुए, पर आँखों में एक अजीब सी सतर्कता थी।

क्या हुआ बिटिया? इतनी रात को यहाँ?

मानवी ने हाँफते हुए सब सच बता दिया। मुरारी ने एक पल के लिए भी नहीं सोचा। उसने कोने में खड़ी अपनी पुरानी, जंग लगी मोटर-साइकिल की ओर इशारा किया, जिसके पीछे एक लोहे की ट्राली जुड़ी थी, कचरा ढोने के लिए बनाई गई जुगाड़ वाली गाड़ी।

गाड़ी निकालो काका, माँ मर जाएगी! मानवी बिलख पड़ी। तुम चलो बिटिया, भगवान हमारा साथ देगा।

मुरारी और उसका एक साथी मानवी के साथ ऊपर गए। उन्होंने सुजाता को उस कचरा ढोने वाली ट्राली में लिटाया। मानवी ने माँ का सिर अपनी गोद में रखा। तीनों चल पड़े।

सफर शुरू हुआ। रात का समय और रास्ता बाधाओं से भरा हुआ। सड़कों पर पुलिस के बैरिकेड्स थे। समिट की वजह से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी। ए! रुको! एक पुलिसवाले ने टॉर्च चमकाई। यह क्या कचरा गाड़ी में आदमी ढो रहे हो?

मुरारी उतरा, उसने हाथ जोड़ दिए। साहब, किसी की जान जा रही है। गाड़ी नहीं मिली। हमें जाने दो साहब। पुलिसवाला संशय में था, पर सुजाता की हालत देख उसका दिल भी पसीज गया। जाओ, पर आगे मुख्य सड़क बंद है, गलियों से निकलना होगा।

मुरारी ने गाड़ी को उन संकरी गलियों में मोड़ दिया, जहाँ अंधेरा और पसरा हुआ था। अचानक, मुरारी का पैर पत्थर से टकराया और अंगूठे में चोट आ गई, पर उसने कदम नहीं रोका। मानवी बार-बार माँ का सिर ठीक करती रही। तीन किलोमीटर का लम्बा रास्ता और मुरारी के नंगे पैर ज़मीन पर दौड़ रहे थे। उसके कंधे की नसें उभर आई थीं, पसीना उसकी आँखों में जा रहा था, पर उसने रफ़्तार कम नहीं होने दी।

मानवी देख रही थी, शहर के सबसे सुरक्षित इलाके के लोग अपने एयरकंडीशनर में दुबके थे और वह आदमी जिसे समाज ने 'कचरा' समझता था, अपनी पूरी हस्ती एक अजनबी की जान बचाने में झोंक रहा था।

लगभग चालीस मिनट बाद वे 'लाइफ केयर अस्पताल' पहुँचे। वार्ड बॉय दौड़े और स्ट्रेचर लाए। इमरजेंसी वाले डॉक्टर सुजाता को भीतर ले गए।

लगभग एक घंटा बीत गया। मानवी अस्पताल की ठंडी बेंच पर बैठी कांप रही थी। मुरारी दूर एक कोने में ज़मीन पर बैठा था, शायद उसे डर था कि अस्पताल के साफ़-सुथरे फर्श पर उसके बैठने से कोई ऐतराज़ न कर दे।

सुबह के पांच बज रहे थे। तभी डॉक्टर बाहर आए। उनके चेहरे पर राहत थी। शी इज आउट ऑफ डेंजर। अगर दस मिनट की भी देरी होती, तो हम उन्हें नहीं बचा पाते। किसने लाया इन्हें?

मानवी ने मुड़कर मुरारी की ओर देखा। मुरारी काका की आँखों में एक चमक आ गई थी और वह फुर्ती के साथ हमारे समीप आकर खड़ा हो गए।

डॉक्टर ने कुछ दवाइयां मंगवाईं। मानवी पर्स निकालने लगी, लेकिन मुरारी काका ने पर्चा झपट लिया।

तुम अपनी मां के पास रुको बिटिया, मैं दवा लेकर आता हूँ।

पर काका, पैसे?

हिसाब बाद में होगा, कहकर वह बाहर निकल गए।

वह खिड़की से देख रही थी। मुरारी काका ने अपनी जेब से एक फटा हुआ रुमाल निकली, जिसमें कुछ सौ-सौ के मुड़े हुए नोट थे। उसने अपनी पूरी जमा पूंजी काउंटर पर रख दी। मानवी की आँखों से आँसू बह निकले। यह वह पैसा था जिसे मुरारी काका ने शायद अपनी बेटी की शादी या अपने घर की मरम्मत के लिए बचा कर रखा होगा।

जब काका दवा लेकर लौटे, तो मानवी की आंखों में सम्मान के आंसू थे। वह समझ नहीं पा रही थी कि जिस 'पड़ोस' पर वह गर्व करती थी, उनका दरवाजा बंद था और जिसे 'अजनबी' समझती थी, वह फरिश्ता निकले।

सुबह छह बजे जब सुजाता जी की हालत स्थिर हुई, तो डॉक्टर ने उन्हें घर ले जाने की अनुमति दे दी।

मुरारी काका की वह गाड़ी अब फ्लैट पहुँच चुकी थी। सुजाता जी को वह सकुशल घर पहुँचाकर वापस जाने लगे, तो मानवी ने संकोच के साथ पांच सौ के दो नोट उनकी ओर बढ़ाया।

लीजिए काका... यह आपकी मेहनत...

मुरारी काका ने मानवी का हाथ पीछे धकेल दिया। उनकी आंखों में एक अजीब सी चमक थी। बिटिया, सुबह से शाम तक मैं पेट के लिए रिक्शा चलाता हूँ, उसका पैसा लेता हूँ। पर आज जो मैंने किया, वो मेरा धर्म था।

पर काका, आपने दवाइयों के पैसे भी दिए और रात भर जगे, उसका क्या ?

मुरारी काका मुस्कुराए। बिटिया, जिस दिन पड़ोसी के दुःख में पैसा आड़े आ जाए, समझ लेना कि इंसानियत मर गई है। भगवान ने मुझे जरिया बनाया, यही मेरी मजदूरी है।

कल्याणी अपने बालकनी में खड़ी नीचे का नज़ारा देख रही थीं। उन्होंने देखा कि मानवी उस 'गंदे' मुरारी के पैर छू रही है। समीर भी अब उठ चुके थे और बगल में खड़े होकर यह सब देख रहे थे।

हमें मदद करनी चाहिए थी, समीर, कल्याणी की आवाज़ में ग्लानि थी। समीर ने कुछ नहीं कहा, बस चुपचाप उन कागज़ों को फाड़ दिया जो उन्होंने मुरारी को वहाँ से बेदखल करने के लिए तैयार किए गए थे। मानवी की नज़र कल्याणी से जा मिली। उस नज़र में अब न नफरत थी, न शिकायत बल्कि उसमें सिर्फ एक आत्मग्लानि थी।

सूरज की रोशनी कल्याणी देवी के बंद दरवाजे और मुरारी काका की खुली झोपड़ी, दोनों पर एक समान पड़ रही थी। लेकिन 'आकाशगंगा हाइट्स' के चमकते शीशों वाले फ्लैट्स आज उस पुरानी झुग्गी के सामने धुंधले लग रहे थे। उसने मन ही मन प्रार्थना की, 'हे ईश्वर! चमकती गाड़ियों वाले पड़ोसी चाहे न देना, पर मुरारी काका जैसा 'पड़ोसी' हर देहरी पर सलामत रखना।'

इधर मानवी ने अपने घर के देहरी पर कदम रखा और उधर मुरारी काका रिक्शा मोड़कर अपनी झोपड़ी की ओर बढ़ रहे थे।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

चक्षोः सूर्यो अजायत

वैदिक दर्शन सूर्य को ईश्वर का चक्षु निरूपित करता है। हमारे ग्रंथों में सूर्यदेव को जगत की आत्मा भी कहा गया है। विश्व की प्राचीन सभ्यताओं द्वारा सूर्योपासना के प्रमाण हैं। ज्ञानदा भारतीय संस्कृति में तो सूर्यदेव को अनन्य महत्व है। एतदर्थ भारत में अनेक प्राचीन और अर्वाचीन सूर्य मंदिर हैं। भारतीय मीमांसा में प्रकाश, जाग्रत देवता है। प्रकाश आंतरिक हो या वाह्य, उसके बिना जीवन असंभव है। एक-दूसरे के सामने खड़ी गगनचुंबी अट्टालिकाओं के महानगरों में प्रकाश के अभाव में विटामिन डी की कमी विकराल समस्या हो चुकी है। केवल मनुष्य ही नहीं, सम्पूर्ण सजीव सृष्टि और वनस्पतियों के लिए प्राण का पर्यायवाची है सूर्य। वनस्पतियों में प्रकाश संश्लेषण या फोटो सिंथेसिस के लिए प्रकाश अनिवार्य घटक है।

सूर्यचक्र के अनुसार ही हमारे पूर्वजों का जीवनचक्र भी चलता था। भोर को उठना, सूर्यास्त होते-होते भोजन कर सोने चले जाना। सूर्यकिरणें भोजन की पौष्टिकता बनाए रखने में उपयोगी होती हैं। वस्तुतः जीवन की धुरी है सूर्य। सूर्य से ही दिन है, सूर्य से ही रात है। सूर्य है तो मिनट है, सेकंड है। सूर्य है तो उदय है, सूर्य है तो अस्त है। सूर्य ही है कि अस्त की आशंका में पुनः उदय का विश्वास है। सूर्य कालगणना का आधार है, सूर्य ऊर्जा का अपरिमित विस्तार है। सूर्यदेव तपते हैं ताकि जगत को प्रकाश मिल सके। तपना भी ऐसा प्रचंड कि लगभग 15 करोड़ किलोमीटर दूर होकर भी पृथ्वीवासियों को पसीना ला दे।

सूर्य सतत कर्मशीलता का अनन्य आयाम है, सूर्य नमस्कार अद्भुत व्यायाम है। शरीर को ऊर्जस्वित, जाग्रत और चैतन्य रखने का अनुष्ठान है सूर्य नमस्कार। ऊर्जा, जागृति और चैतन्य का अखंड समन्वय है सूर्य। 'सविता वा देवानां प्रसविता'...सविता अर्थात सूर्य से ही सभी देवों का जन्म हुआ है। शतपथ ब्राह्मण का यह उद्घोष अन्यान्य शास्त्रों की विवेचनाओं के भी निकट है। गायत्री महामंत्र के अधिष्ठाता भी सूर्यदेव ही हैं।

सूर्यदेव अर्थात सृष्टि में अद्भुत, अनन्य का आँखों से दिखता प्रमाणित सत्य। सूर्यदेव का मकर राशि में प्रवेश अथवा मकर संक्रमण खगोलशास्त्र, भूगोल, अध्यात्म, दर्शन सभी दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। इस दिव्य प्रकाश पुंज का उत्तरी गोलार्ध से निकट आना उत्तरायण है। उत्तरायण अंधकार के आकुंचन और प्रकाश के प्रसरण का कालखंड है। स्वाभाविक है कि इस कालखंड में दिन बड़े और रातें छोटी होंगी। दिन बड़े होने का अर्थ है प्रकाश के अधिक अवसर, अधिक चैतन्य, अधिक कर्मशीलता। अधिक कर्मशीलता के संकल्प का प्रतिनिधि है तिल और गुड़ से बने पदार्थों का सेवन।

निहितार्थ है कि तिल की ऊर्जा और गुड़ की मिठास हमारे मनन, वचन और आचरण तीनों में देदीप्यमान रहे। मकर संक्रांति/ उत्तरायण/ भोगाली बिहू / माघी/ पोंगल/ खिचड़ी की अग्रिम शुभकामनाएँ।

बोध कथा

दान भावना

श्री निवास नाम का एक बालक अपनी दादी के साथ एक नए गाँव में रहने आया। वे दोनों गाँव के साहूकार के पास पहुँचे। साहूकार अपनी तोंद फुलाए कुरसी पर बैठा था। दादी और पोते ने साहूकार को प्रणाम किया। दादी ने उससे कहा, मालिक! हम दूसरे गाँव से आए हैं। अब यहीं रहना चाहते हैं। आप हमें सिर छिपाने की जगह दे दें। बदले में हम आपके घर के काम कर देंगे। साहूकार ने मन में सोचा-- 'बिना दाम के दो मज़दूर मिल रहे हैं। इन्हें क्यों छोड़ा जाए?' वह मान गया। उसने घर के पिछवाड़े उन्हें रहने की जगह दे दी। दादी ने पूछा, साहूकार जी! इसका किराया क्या लगेगा?

साहूकार ने झट से बताया, मेरे घर में चार भैंसें, तीन बैल और चार गायें हैं। उन सबको चराना होगा। उनके गोबर को पाथकर उपले बनाने होंगे और उपले बेचकर उनके पैसे मुझे देने होंगे। वही उसका किराया होगा। दादी और पोते ने साहूकार की शर्त मान ली। उसी दिन से दादी तो साहूकार के घर का काम करने लगी और पोते ने गाँव में ही कोई काम ढूँढ़ लिया। उनका जीवन चलने लगा। एक दिन की बात है। साहूकार के दरवाज़े पर फटेहाल एक भिखारी आ गया। साहूकार ऊँची आवाज़ में बोला, चलो-चलो, आगे बढ़ो! मेरे पास कुछ नहीं है । वह भिखारी घूमकर पिछवाड़े की ओर आ गया। दादी को उसपर दया आ गई। घर में जो खाना बना हुआ रखा था, वह उसने भिखारी को दे दिया।

विदा होने से पहले भिखारी दादी की हथेली पर एक दमड़ी रखते हुए बोला, माँ, तुम इससे अपने पोते के लिए मुरमुरे खरीद लेना। दादी ने उस दमड़ी को अपनी संदूकची में रख दिया। वह सोच में थी कि आज अपने पोते को क्या खिलाएगी! तभी उसका पोता खेत से आया। वह भूखा था। दादी ने पोते को सारी बात बताई और कहा, संदूकची में से दमड़ी लेकर कुछ खरीद ला। जैसे ही पोते ने संदूकची खोली, सोने की चमक से सारी झोंपड़ी जगमगा उठी। उन्होंने सोना बेचकर सुंदर मकान बनाया, ज़मीन खरीदी, बैल खरीदे और बड़े किसान बन गए। उनकी समृद्धि देखकर सेठ ने सोचा, 'काश, मैंने उस भिखारी को न भगाया होता।' एक दिन वही भिखारी फिर उसके द्वार पर आया जिसे बहुत समय पहले उसने भगा दिया था। साहूकार दौड़कर बाहर आया। भिखारी को सम्मान के साथ अंदर ले गया। इसके बाद थाली में छप्पन व्यंजन सजाकर उसके सामने ले आया। मुसकराते हुए भिखारी ने छककर भोजन किया। जाते हुए वह साहूकार को भी एक दमड़ी दे गया। दमड़ी हाथ में आते ही साहूकार की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने दमड़ी को बड़े जतन से अपनी तिजोरी में रखकर ताला लगा दिया। उस रात उसे नींद नहीं आई। वह बार-बार तिजोरी के पास आता और फिर बिस्तर पर लेट जाता। इस तरह पूरी रात घूमते हुए बीती। पौ फटते ही साहूकार तिजोरी खोलने आया। सोना मिलने की खुशी में उसने अपनी आँखें बंद कर ली थीं। वह सोच रहा था कि उसकी पूरी तिजोरी जगमग कर रही होगी। लेकिन यह क्या! हुआ तो बिलकुल उलटा। उसकी तिजोरी में रखा हुआ धन कोयला बन चुका था! साहूकार समझ गया कि यह सब करनी का फल है। दादी ने निस्स्वार्थ भाव से भिखारी को भोजन कराया था, इसलिए उन्हें वैसा ही फल मिला। उसने लालच में आकर भिखारी को भोजन दिया था सो ऐसा फल मिला। इसके बाद से साहूकार का व्यवहार हमेशा के लिए बदल गया। दादी और पोते ने उसे अच्छा सबक सिखा दिया।

वीर गाथा

मेजर आशीष दहिया : ग्रेनेड धमाकों के बीच दिखाया अदम्य साहस, ए++ श्रेणी के आतंकवादी को किया ढेर

मेजर आशीष दहिया का जन्म हरियाणा के सोनीपत जिले के ककरोई गांव में हुआ था। माता सविता देवी और पिता अशोक दहिया के बेटे को देशप्रेम के संस्कार घर से मिले थे। उनके पिता भी सेना में सेवाएं दे चुके हैं। आशीष भारतीय सेना की कोर ऑफ इंजीनियर्स में शामिल हुए थे। बाद में उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 50वीं बटालियन में भेज दिया गया। मेजर आशीष ने कई खतरनाक सैन्य अभियानों में भाग लिया और खूंखार आतंकवादियों के खात्मे में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने 2 जून, 2024 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के एक गांव में सैन्य अभियान का नेतृत्व कर वीरता की मिसाल कायम की। सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली थी, जिसके आधार पर आतंकवादियों की तलाश जारी थी।

अचानक आतंकवादियों ने गोलीबारी की। वे ग्रेनेड फेंक कर वहां से भागना चाहते थे। मेजर आशीष इसका जवाब देकर आतंकवादियों के मंसूबों को विफल कर दिया। उन्होंने एक आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया।दोनों ओर से भयंकर गोलीबारी हो रही थी। इस दौरान एक आतंकवादी ने ग्रेनेड फेंका, जिससे सेना का जवान घायल हो गया। आशीष रेंगकर अपने साथी की मदद करने गए। इसके बाद वे आतंकवादी की ओर बढ़े। उन्होंने सटीक गोलीबारी कर ए++ श्रेणी के उस कुख्यात आतंकवादी को ढेर कर दिया। मेजर आशीष दहिया ने अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ आतंकवाद पर घातक प्रहार किया, बल्कि अपने साथी का जीवन भी बचाया। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप ने फिर किया भारत-पाक संघर्ष खत्म कराने का दावा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म कराने का दावा करते हुए कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इतिहास में उनसे अधिक हकदार कोई नहीं है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को नोबेल दिए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया था, जिसके लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया जाता।

वेनेजुएला के तेल भंडारों पर चर्चा के लिए तेल और गैस कंपनियों के अधिकारियों के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में ट्रंप ने एक बार फिर यह दावा किया कि पिछले साल मई में हुए संघर्ष के दौरान आठ विमान मार गिराए गए थे। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किसके विमान मार गिराए गए थे।

ट्रंप ने कहा, लोग डोनाल्ड ट्रंप को पसंद करें या न करें, लेकिन मैंने आठ बहुत बड़ी जंग रुकवाई हैं। कोई 36, कोई 32, कोई 31, कोई 28 और कोई 25 वर्ष से जारी थी। कुछ शुरू होने वाली थीं, जैसे भारत और पाकिस्तान के बीच। इसमें आठ विमान आसमान में मार गिराए जा चुके थे।

ट्रंप ने यह भी कहा कि पिछले साल 'व्हाइट हाउस' (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) आए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें दो परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी देशों के बीच संघर्ष रुकवाकर लाखों लोगों की जान बचाने का श्रेय दिया था।

स्वागत

पटना में शनिवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पटना के जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे।

हरमनप्रीत कौर से मिलना सम्मान की बात: हरनाज संधू

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान और महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू ने मुलाकात की और उनके साथ मुलाकात को गर्व का पल बताया। हरमनप्रीत कौर और हरनाज संधू दोनों पंजाब से संबंध रखते हैं। संधू ने अपने गृह राज्य के साथ ही दोनों को अलग-अलग क्षेत्रों में मिली वैश्विक सफलता का भी जिक्र किया है। हरनाज ने इंस्टाग्राम पर हरमनप्रीत के साथ एक तस्वीर शेयर की, जो महिला प्रीमियर लीग 2026 के पहले मैच से जुड़ी है। हरमनप्रीत कौर के साथ हरनाज सुनहरे कपड़ों में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। हरमनप्रीत मुंबई इंडियंस की जर्सी में हैं। तस्वीर के साथ हरनाज ने कैप्शन में लिखा, पंजाब ने हमें पाला-पोसा, इंडिया ने हमें बनाया, और दुनिया और यूनिवर्स हमारा स्टेज बन गए। आज कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ मिलकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। चक दे ङ्कङ्कफट्टे।

महिला प्रीमियर लीग का चौथा सीजन 9 जनवरी को नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में शुरू हुआ। पहला मैच मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच खेला गया। मैच से पहले ओपनिंग सेरेमनी हुई। ओपनिंग सेरेमनी में हरनाज, जैकलीन फर्नांडीज और हनी सिंह ने अपने कार्यक्रम पेश किए। हरनाज ने शाम की शुरुआत पूरे भारत में महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए एक मोनोलॉग के साथ की, जिसमें उन्होंने कहा, 'हम तैयार हैं', अपनी परफॉर्मेंस के लिए टोन सेट करने के लिए।हरमनप्रीत की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस दो खिताब के साथ सबसे सफल टीम है। पिछली बार भी खिताब मुंबई ने ही जीता था। स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली आरसीबी ने 2024 में खिताब जीता था। दिल्ली कैपिटल्स पिछले तीनों सीजन उपविजेता रही है। हरनाज की बात करें तो उन्होंने पिछले साल 'बागी 4' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। ए. हर्षा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त और सोनम बाजवा भी थे।

भाषण

कोलकाता में शनिवार को इंडियन राइटर अरुंधति घोष कोलकाता में शनिवार को एपीजे कोलकाता लिटरेरी फेस्टिवल 2026 में भाषण देती हुई।

भारत और अमेरिका के लिए आगे अपार अवसर हैं : सर्जियो गोर

नई दिल्ली/भाषा। भारत और अमेरिका के रिश्तों में तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले नामित अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर नई दिल्ली पहुंच गए हैं।गोर (38) ने नवंबर के मध्य में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में शपथ ली। शुक्रवार रात नई दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, ''भारत में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे दोनों देशों के लिए आगे अपार अवसर हैं।''भारत में उनका आगमन ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक के एक दावे के बाद दोनों पक्षों के बीच नया विवाद खड़ा हो गया है। लटनिक ने कहा था कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता पिछले साल इसलिए नहीं हो सका, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया।भारत ने शुक्रवार को इस दावे को खारिज कर दिया और लटनिक की टिप्पणियों को गलत बताया।गोर 'व्हाइट हाउस' के कार्मिक निदेशक के रूप में कार्यरत थे, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अगस्त में उन्हें भारत में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया था। ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क (टैरिफ) को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध गंभीर तनाव में है। शुल्क के अलावा, कई अन्य मुद्दों पर भी संबंधों में गिरावट आई है, जिनमें पिछले साल मई में ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त करने का दावा और अमेरिका की नई आव्रजन नीति शामिल है।

अमेरिकी सीनेट ने अक्टूबर में गोर को भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी। गोर के शपथ ग्रहण समारोह के बाद ट्रंप ने कहा था, ''मुझे सर्जियो गोर पर भरोसा है कि वह हमारे देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संबंधों में से एक, यानी भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में मदद करेंगे।''

अगर फिल्में लोगों को संस्कृति और मूल्यों से जोड़ती हैं, वही सिनेमा की असली जीत है : रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा हमेशा अपने जड़ों से जुड़े रहने और अपनी संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हैं। वह उन कलाकारों में से हैं जो ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं। उनका मानना है कि भाषा, संस्कृति और जड़ें किसी भी व्यक्ति के लिए कोई रोक नहीं हैं, बल्कि ये उसकी ताकत और पहचान बनाती हैं। को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब हम अपने मूल्यों और संस्कृति को समझते हैं और उन्हें अपनाते हैं, तो हमारे सोचने का नजरिया और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल जाता है। रणदीप हुड्डा अब उन कहानियों से जुड़ रहे हैं जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी संस्कृति को सामने लाती हैं। रणदीप हुड्डा ने कहा कि ''मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं जो दिखावटी न हों, बल्कि जिंदगी की सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखें। आज के दौर में जब सब कुछ तेज और चमकदार होता जा रहा है, तब सिनेमा का काम लोगों को ठहरकर सोचने का मौका देना भी है। गांव, मिट्टी, रिश्ते और संघर्ष से निकली कहानियां दर्शकों के दिल में ज्यादा देर तक रहती हैं। ऐसी फिल्मों में काम करना एक अभिनेता को और बेहतर बनाता है, क्योंकि यहां अभिनय के साथ-साथ संवेदनशीलता भी जरूरी होती है।''

उन्होंने कहा, ''मैं अपने करियर में संख्या से ज्यादा गुणवत्ता पर ध्यान दे रहा हूं। हर फिल्म मेरे लिए एक सीख होती है, जो न सिर्फ एक कलाकार, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी मुझे आगे बढ़ाती है। जब मैं अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियों का हिस्सा बनता हूं तो दर्शक भी खुद को उस कहानी में देख पाते हैं।''

बातचीत के दौरान रणदीप हुड्डा ने कहा, ''सिनेमा समाज को आईना दिखाने का काम करता है। अगर फिल्में लोगों को अपनी पहचान, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने में सफल होती हैं, तो वही सिनेमा की असली जीत है। यही सोच मुझे बार-बार ऐसी कहानियों की ओर खींचती है, जो सरल होते हुए भी गहरी छाप छोड़ जाती हैं।''

क्रैश

ओडिशा के राउरकेला के रघुनाथपाली इलाके में चार पैसेंजर और दो क्रू मेंबर को ले जा रहे एक छोटे एयरक्राफ्ट के क्रैश होने के बाद मौके पर जमा हुए लोग।

सेल्फी

थाईलैंड में चुनाव प्रचार के दौरान पीपुल्स पार्टी के नेता नत्थाफोंग रुएंगपन्यावुत के साथ सेल्फी लेते हुए।

संजय दत्त ने नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

काठमांडू/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने शुक्रवार को नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। दत्त बृहस्पतिवार को इस हिमालयी देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक संक्षिप्त यात्रा के लिए काठमांडू पहुंचे। उन्होंने कड़ी सुरक्षा के बीच पवित्र हिंदू तीर्थस्थल का दौरा किया और मंदिर परिसर में स्थित शिवलिंग और भैरव के समक्ष प्रार्थना की। पशुपतिनाथ मंदिर जाने से पहले 66 वर्षीय अभिनेता ने कहा, ''मुझे नेपाल और नेपाली लोग बहुत पसंद हैं।'' नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपक राज जोशी ने मंदिर में दत्त का स्वागत किया। जोशी ने कहा, ''बॉलीवुड अभिनेता की नेपाल यात्रा से भारतीय बाजार में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।''

भारत नेपाल आने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का एक प्रमुख स्रोत है। पिछले साल 2,92,438 भारतीय पर्यटक हवाई मार्ग से नेपाल पहुंचे, जो उस वर्ष इस हिमालयी देश में आए कुल 1,158,459 पर्यटकों का 35.2 प्रतिशत थे। मंदिर में दर्शन करने के बाद दत्त मुंबई के लिए रवाना हो गए। नेपाल यात्रा पर उन्होंने एक कसीनो का उदघाटन भी किया।

नायरा बनर्जी ने बताया, कैसे एक वीडियो कॉल ने बदल दी उनकी फिल्मी दुनिया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री नायरा बनर्जी अपनी आने वाली फिल्म 'वन टू चा चा चा' को लेकर काफी चर्चाओं में है। यह फिल्म कॉमेडी, अफरातफरी और किरदारों से भरपूर मनोरंजन का जबरदस्त पैकेज है। इस फिल्म में अभिनेता आशुतोष राणा लीड रोल में हैं। को दिए इंटरव्यू में नायरा बनर्जी ने अपनी फिल्म, अनुभव और अभिनय सफर के बारे में खुलकर बात की। से बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, फिल्म की कहानी सुनते ही मैंने तुरंत इसका हिस्सा बनने की ठान ली थी। निर्देशक और लेखक अभिषेक ने मुझे वीडियो कॉल के जरिए पूरी कहानी सुनाई। उस समय मैं दुबई में थी, उन्होंने करीब दो घंटे तक कहानी इतनी ऊर्जा, भाव और उत्साह के साथ सुनाई कि मेरे होश उड़ गए। मुझे कहानी की हर बारीकी और भावना को समझाया। उसी वक्त मैंने तय कर लिया कि मुझे यह फिल्म करनी है। फिल्म के कास्ट के बारे में नायरा बनर्जी ने कहा, ''जब मैंने जानना चाहा कि कौन-कौन इसमें काम कर रहा है, तो मेरे लिए सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम आशुतोष राणा था, जो 'चाचा' के रोल में थे। मैंने उन्हें हमेशा गंभीर और सशक्त किरदारों में देखा है; ऐसे में इस नई भूमिका में उन्हें देखना बिल्कुल नया और ताजगी भरा अनुभव लगा।'' उन्होंने कहा, ''मुकेश तिवारी, अभिमन्यु सिंह, आनंद जोशी, ललित प्रभाकर और हर्ष मायर जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना चुनौतीपूर्ण लेकिन सीखने वाला रहा। मेरे ज्यादातर सीन अभिमन्यु सिंह और आशुतोष राणा के साथ थे, जिनके सामने अपनी एक्टिंग बनाए रखना आसान नहीं था।'' नायरा बनर्जी ने अपने किरदार की खासियत के बारे में बताते हुए कहा, ''शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे डांस करने का मौका मिला। मेरा डांस शेड्यूल कई दिनों तक चला। फिल्म का यह गाना 'इश्क ढिशूम' अब ट्रेंड कर रहा है और लोगों को बहुत पसंद आ रहा है।

कभी दो शब्द बोलने में भी कतराते थे ऋतिक रोशन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' ऋतिक रोशन हिंदी सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाते हैं। डांस, एक्टिंग और दमदार लुक के चलते उन्होंने लाखों फैंस के दिलों पर राज किया है। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस चमक-दमक के पीछे उनका एक लंबा संघर्ष छिपा है। ऋतिक बचपन में हकलाने की समस्या से जूझते थे। छोटे-छोटे शब्द बोलना उनके लिए इतना मुश्किल था कि वे अक्सर अपने आपको अकेले में बाथरूम या अलमारी में बंद कर लेते थे। लेकिन उन्होंने मेहनत और लगन से अपनी मुश्किलों को मात दी। ऋतिक रोशन का जन्म 10 जनवरी 1974 को मुंबई में हुआ था। वे एक फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता राकेश रोशन बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर और निर्माता हैं, जबकि उनकी मां पिंकी रोशन गृहिणी हैं। उनके दादा रोशनलाल नागरथ संगीतकार थे और उनके चाचा राजेश रोशन भी संगीत में सक्रिय रहे। ऐसे परिवार में पैदा होने के बावजूद ऋतिक का बचपन आसान नहीं था।

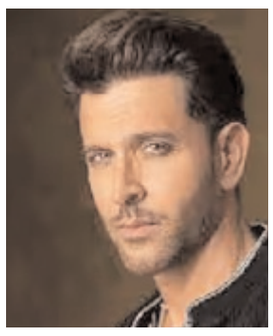

ऋतिक को बचपन से ही हकलाने की समस्या थी। स्कूल के समय उन्हें बोलने में मुश्किल होती थी। कई बार उनका मजाक भी बनाया जाता था। लेकिन ऋतिक ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी इस कमजोरी को दूर करने के लिए रोजाना अखबार पढ़ने की आदत डाली। हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू अखबार पढ़कर उन्होंने धीरे-धीरे बोलने की क्षमता बढ़ाई। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और वह हकलाने की बीमारी पर काबू पाने में सफल हुए। ऋतिक ने 10 साल की उम्र में ही चाइल्ड एक्टर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। वे रजनीकांत की फिल्म 'भगवान दादा' में नजर आए। उस समय वे छोटे थे, लेकिन बड़े सितारों के साथ काम करने का अनुभव उन्हें सीखने का मौका देता रहा। बॉलीवुड में ऋतिक का असली डेब्यू 2000 में फिल्म 'कहो ना... प्यार है' से हुआ। इस फिल्म ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया। इस सफलता के बाद ऋतिक के पास लगातार फिल्मों के ऑफर्स आने लगे। हालांकि पहली फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता को बनाए रखना उनके लिए आसान नहीं था। ऋतिक की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वैसा करिश्मा नहीं कर सकीं, लेकिन उनका क्रेज कभी कम नहीं हुआ।

युवा चॉकलेटी चेहरे, दमदार बॉडी, डांस और स्टाइल ने उन्हें यूथ आइकन बना दिया था। सलमान खान के बाद ऋतिक रोशन ने 2000 के दशक में युवाओं में फिटनेस को पैशन तक पहुंचा दिया था। उन्होंने रोमांटिक, एक्शन और ड्रामा, हर तरह के किरदार निभाए। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें दर्शकों के बीच अलग पहचान दिलाई। ऋतिक को कई पुरस्कार भी मिले। उन्होंने बेस्ट डेब्यू, बेस्ट एक्टर, और बेस्ट डांसर जैसे कई अवॉर्ड्स जीते। उनकी 'धूम 2', 'कृष', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा', और 'सुपर 30' जैसी फिल्मों ने सफलता दिलाई। भले ही ऋतिक के करियर और निजी जीवन में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में भी सम्मान दिलाया है। आज वे एक परिपक्व कलाकार के तौर पर हिंदी सिनेमा में स्थापित हो चुके हैं।

अग्रवाल महिलाओं ने पहली बार 'भजन जैमिंग' का किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल की अध्यक्षता में शहर में पहली बार 'भजन जैमिंग' का आयोजन किया गया जिसमें अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, महिला अध्यक्षा नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल एवं रवि तायल आदि ने महाराजा अग्रसेन और माँ लक्ष्मी के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पारंपरिक भजन श्रवण से हटकर श्रोताओ ने केवल आनंद ही नहीं लिया अपितु भजन की जैमिंग की। संगीत के इस संगम का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना था। चंडीगढ़ के गायक वीरस एन्ड टीम ने 'श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी..., नमः शिवाय ॐ नमः शिवाय... 'आदि की प्रस्तुति पर श्रोताओं को झूम नाचकर आनंद लेने का अवसर दिया । अध्यक्ष तायल ने प्रायोजक 'प्राइड ग्रुप' को धन्यवाद दिया। इस मौके पर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुभाष अग्रवाल, अग्रवाल समाज चेन्नई के सचिव बाल गोविन्द गुप्ता, अग्रवाल युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

तीर्थ यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तीर्थ यात्रा : बेंगलूरु के रतनचंद शांताबाई भंडारी द्वारा आयोजित सात दिवसीय हवाई संघ यात्रा के प्रतिभागी गुरुवार को राजस्थान के लिए रवाना हुए। यात्रा के दूसरे दिन सीरियारी में आचार्य भिक्षु समाधि स्थल पर भक्ति संध्या का आयोजन किया गया,जिसमें भजन कलाकार अभिलाषा सुराणा ने भजनों की प्रस्तुति दी। यात्री के रूप में शामिल बेंगलूरु के महेंद्र मुणोत ने कहा कि धर्म स्थल आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ऊर्जा के केंद्र होते हैं, वहां पर दर्शन करने से मन को सुकून मिलता है।

जीतो लेडीज विंग एवं स्वयम्-जेबीएन वी कनेक्ट की बैठक व कार्यशाला सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो नार्थ लेडीज विंग एवं स्वयम जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह द्वारा जीतो कार्यालय में 'क्लिक क्रियेट कैनवा' विषय पर 'हैंड्स-ऑन कैनवा' प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें प्रशिक्षक व ख्वाब कैचर की संस्थापिका भाविका कोठारी ने कैनवा के विभिन्न टूल्स की सरल एवं प्रभावी जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट, इनविटेशन कार्ड, विज़िटिंग कार्ड एवं ब्रांड लोगो डिज़ाइन करने के व्यावहारिक तरीकों का प्रशिक्षण दिया।

जीतो लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी 55 सदस्याओं का स्वागत किया। इस मौके पर स्वयम-जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह की 5वीं कार्यावधि की छठी बैठक भी आयोजित हुई।

बैठक में केकेजी ज़ोन लघु उद्योग की संयोजिका सुष्मिता सेठिया उपस्थित थी। लक्षिता कटारिया ने अपने पर्सनलाइज़्ड गिफ्टिंग व्यवसाय व सुशीला श्रीश्रीमाल ने व्यवसायिक एवं व्यक्तिगत विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

सभी तपों में ब्रह्मचर्य तप की महिमा अपरम्पार व श्रेष्ठ है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी ने शनिवार को प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को ब्रह्मचर्य तप की महिमा बताते हुए कहा कि जैसे दान में अभयदान श्रेष्ठ है। सभी वचनों में सत्य वचन श्रेष्ठ है वैसे ही महापुरुषों ने सभी तपों में श्रेष्ठ ब्रह्मचर्य को बतलाया है। सभी सुख साधन, भोगों की अनुकूलता होने पर भी जो जीवात्मा सब भोग साधनों का सहर्ष त्याग करके संयम को स्वीकार कर लेते हैं वही श्रेष्ठ साधक आत्मा जगत में वंदनीय पूजनीय बनती है और संयम साधना के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपने कर्मों की निर्जरा करते हुए आत्मा के शाश्वत सुख के स्थान परम पद मुक्ति को प्राप्त करते हैं।

मुनिश्री ने श्मशान वैराग, खिचड़ी वैराग और उत्तम संयम वैराग्य पर चर्चा करते हुए कहा कि गणधर सुधर्मा स्वामी के पास जंबु स्वामी आते हैं और प्रभु महावीर की वाणी सुनकर उसे हृदयंगम कर लेते हैं और उन्हें वैराग्य आ गया और दीक्षा लेने की अभिलाषा व्यक्त की। ब्रह्मचर्य के उत्तम पालन करने वाले को साक्षात देवता भी नमस्कार करते हैं और उनकी सेवा करते हैं। ब्रह्मचर्य के पालन से उत्तम पुण्यवानी बंधती है। मुमुक्षु लवेश सिंघवी के संयम मार्ग पर आगे बढ़ने की अनुमोदना करते हुए कहा कि मुमुक्षु का वैराग्य भी उत्तम संयम वैराग्य है। जिसकी अनुमोदना करना भी सबके लिए कर्म निर्जरा की बात है।ङ्कश्री शालिभद्रमुनिजी ने भाव पूर्ण मधुर भजन प्रस्तुत किया। साध्वीश्री श्रध्दाश्रीजी ने कहा कि जिनवाणी का श्रवण साधक के जीवन में सराहनीय परिवर्तन लाते हैं।

लक्ष्मी भाग्य से मिलती है, पर जिनवाणी सौभाग्य से मिलती हैं। बाहर की दुनिया आपको सुपरमैन बना सकती है परन्तु गुरुदेव का आशीर्वाद भव सागर से पार लगा सकता है। कार्यक्रम का संचालन गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीर मेहता ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

गोड़वाड़ भवन द्वारा चयनीत सहयोगियों का आज होगा सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। गोड़वाड़ भवन जैन ट्रस्ट द्वारा संचालित राणावत अतिथि भवन के निर्माण के समय घोषणा की गई थी कि 400 सहयोगी सदस्य बनने पर समारोहपूर्वक उन सहयोगियों में से 25 सहयोगियों को ड्रॉ द्वारा भाग्यशाली सहयोगी के रूप में चयनीत कर सम्मानित किया जाएगा। ट्रस्ट के वरिष्ठ कुमारपाल सिसोदिया ने बताया कि आज रविवार को गोड़वाड़ भवन में ट्रस्टी व सहयोगियों की उपस्थिति में ड्रॉ निकालकर 25 सहयोगियों का सम्मान किया जाएगा।

ज्ञातव्य है कि भवन ट्रस्ट द्वारा लालबाग रोड स्थित गोड़वाड़ भवन, राणावत अतिथि भवन के संचालन के साथ शहरी क्षेत्र में एकल बुजुर्गों को भोजन(टिफिन) पहुंचाना, दवाइयों का वितरण तथा तीसरा बच्चा होने पर उन माता-पिता के सम्मान जैसी अनेक योजनाएं संचालित है।

मन को हमेशा वश में रखें : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के क्लब रोड विजयनगर में आयोजित प्रवचन सभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने कहा कि इंसान आज अपने शरीर को न जाने कितने केमिकलों से रगड़-रगड़ कर धो रहा है और बाहरी आवरण के मैल को साफ कर रहा है परन्तु उसे पता ही नहीं है कि हमारे भीतर के मन में कितना मैल जमा है। उन्होंने कहा कि तन-मन-धन और समय देकर सेवा करनी चाहिए। हम मन की बात करते हैं तो हमारा मन साफ होना चाहिए। शुद्ध खानपान, शुद्ध हवा पानी, शुद्ध आचार-विचार के साथ मोह, मान, माया, लोभ और तृष्णा को मन से निकाल कर साफ करेगें तो ही मन साफ होगा। हम हमारे मन को वश में करें और जीवन को नर्क बनाने से बचे और मनुष्य जीवन बार-बार नहीं मिलता इसे व्यर्थ न गवाएं।ङ्कसाध्वीश्री शीतलगुणाजी ने कहा कि किसी को नीचा दिखाकर आप ऊँचे नहीं बनते, किसी को दबाकर आप मज़बूत नहीं होते, किसी को पीछे छोड़कर आप आगे नहीं बढ़ते, किसी के आँसू बनकर आप हँस नहीं सकते और किसी का अपमान करके आप सच्चा सम्मान नहीं पा सकते, इसलिए सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनिए क्योंकि अंत में न दौलत साथ जाती है, न ताकत-साथ जाती है सिर्फ आपकी अच्छाई और आपका व्यवहार ही साथ रहता है। विहार सेवा का लाभ लखमीचंद बोहरा, देवेन्द्र तातेड़, संदीप डोसी, विमला डोसी,प्रियंका बोहरा,दानवी बोहरा,किरण बाई परिवार ने लिया। रेखा बोहरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नारायणी दादी परिवार का 'दादी वंदन महोत्सव' आज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय नारायणी दादी परिवार के तत्वावधान में रविवार को शाम 4 बजे से विजयनगर स्थित बसवेश्वर सुगनाना कल्याण मंडप में 'दादी वंदन महोत्सव'का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर कोलकाता के कारीगरों द्वारा राणी सती दादी के 13 मण्डों का दरबार सजाया जाएगा। कार्यक्रम में विधिवत पूजन कर अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। महोत्सव में भजन गायक लतासिंह राजपूत एवं संजय शर्मा संगीतमय मंगलपाठ व भजनों की प्रस्तुति देंगे। अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने बताया कि लॉटरी कूपन के माध्यम से भक्तों को दादी के 33 अनमोल उपहार भेंट किए जाएंगे। महोत्सव में श्रृंगार व छप्पन भोग मुख्य आकर्षण होंगे। आयोजकों ने सभी दादी भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेत्र जांच शिविर

मैसूरु के बन्नूर ग्राम स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ. लिओ सोनी, शिविर संयोजक विजयगंथ बी. के देखरेख में गवरीदेवी-कानसिंह राजपुरोहित के सौजन्य से शनिवार को निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जिसमें 210 लोगों की नेत्र जांच की गई तथा चिकित्सकीय परामर्श के बाद 49 लोगों को चिन्हित कर आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय ले जाया गया। प्रायोजक महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने कहा कि मानव की सच्ची सेवा ही भगवान का आशीर्वाद है।

संक्रांति उत्सव रंगोली प्रतियोगिता कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बेंगलूरु ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा संक्रांति उत्सव के उपलक्ष्य पर 12 जनवरी को एमजी रोड स्थित रंगोली आर्ट सेंटर पर रंगोली प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर शहर के विभिन्न कलाकार अपनी रचनात्मक रंगोली कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन के सचिव राजेश बांठिया ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी दर्शकों के लिए दोपहर 12 से खुली है और प्रवेश निशुल्क है। इस आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक भारतीय कला को प्रोत्साहित करना तथा संक्रांति के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करना है।

इराक ने जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान में रुचि दिखाई : पाकिस्तान का दावा

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार को दावा किया कि इराक ने जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमानों और मुशहाक प्रशिक्षण विमानों में 'गहरी रुचि' दिखाई है। सेना की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) के प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू ने इराक की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान इराकी वायु सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल स्टाफ पायलट मोहनाद गालिब मोहम्मद रादी अल-असदी से मुलाकात की और इस दौरान द्विपक्षीय सैन्य सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई।

इससे पहले पाकिस्तान की सेना ने दावा किया था कि बांग्लादेश के वायु सेना प्रमुख ने भी इस्लामाबाद दौरे के दौरान जेएफ-थंडर लड़ाकू विमानों की 'खरीद' में रुचि दिखाई है।

अवला गंगम्मा मंदिर का कुंभाभिषेक कार्यक्रम 23 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गंगम्मा देवी शक्ति पीठम के सलाहकार व भाजपा समर्थक मंच के राज्य अध्यक्ष नितेश शरण ने गंगम्मा देवी देवस्थानम के पीठाधिपति एस. रविचंद्रन गुरुजी के साथ मिलकर कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा से मुलाकात कर उन्हें अवला गंगम्मा मंदिर के कुंभाभिषेक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

यह तीन दिवसीय कुंभाभिषेक कार्यक्रम 23 जनवरी को अत्तिबेले-होसूर रोड के निकट स्थित श्री अवला गंगम्मा मंदिर में आयोजित है। नितेश शरण ने बताया कि गंगम्मा देवी देवस्थानम अवला गंगम्मा एवं अष्ट कला भैरव को समर्पित है। पीठाधिपतिएस रविचंद्रन गुरुजी ने गंगम्मा देवी देवस्थानम ने सभी श्रद्धालुओं से इस दिव्य कार्य में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

गुरु कृपा से हर कार्य संभव है : साध्वीश्री पुण्ययशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजराजेश्वरीनगर के श्रावकों ने गुरु दृष्टि की आराधना साध्वीश्री पुण्ययशाजी की निश्रा में की। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि गुरु छायानिधि पक्षी के समान होते हैं। जिस प्रकार छायानिधि पक्षी जब उड़ता है उस समय उसकी छाया जिसे उपलब्ध हो जाए व परम आनंद के साम्राज्य का स्वामी बन जाता है।

उसी प्रकार शिष्य की पुकार जब गुरु के कानों में पड़ती है, तब वे अपनी विद्युत धारा से शिष्य की एक-एक शिरा को उर्जावान बना देते हैं। साध्वीश्री ने कहा कि चातुर्मास में सजगता के साथ धर्माराधना की, चातुर्मास में तप, जप, अनुष्ठान आदि क्रियाओं का अच्छा लाभ प्राप्त कर समय का सदुपयोग किया। राजराजेश्वरीनगर के तेरापंथ सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने चातुर्मासिक अनुष्ठान व कार्यक्रमों की सराहना करते हुए जितेन्द्र घोषल का अनुष्ठान आदि कार्यों में अच्छा मार्गदर्शन व सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

न्यू होराइजन गुरुकुल के विद्यार्थियों ने वीएसएफ को सौंपा 'उपहार'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। विजय संभव फाउंडेशन(वीएसएफ) ने शनिवार को न्यू होराइजन गुरुकुल स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ 'उपहार 4.0-दि आर्ट ऑफ गिविंग'कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने संचालित स्टॉलों से बिक्री कर सहयोग राशि का एक चेक फाउंडेशन को सौंपा। वीएसएफ के अध्यक्ष रवि राजहंस ने उपस्थित जनों को फाउंडेशन के शिक्षा, स्वास्थ्य मिशन की जानकारी दी। उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों के सहयोग की सराहना की। राजहंस ने विद्यार्थियों के सहयोग को सामूहिक प्रयास और सार्थक योगदान का प्रतीक बताया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मिलिंद गोखले ने कहा कि दान को केवल दान नहीं, बल्कि जीवनभर का मूल्य मानें जो जिम्मेदार और करुणामय नागरिक बनाता है। इस अवसर का फाउंडेशन ने 'वीएसएफ प्लेज नो टू प्लास्टिक' को दोहराते हुए सभी विद्यार्थियों को इको-फ्रेंडली कॉटन बैग वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन सोनल कीर्ति ने किया। इस अवसर पर फाउंडेशन के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जीतो व जेबीएन मैसूरु ने आयोजित किए अनेक कार्यक्रम

मैसूरु/दक्षिण भारत। जीतो केकेजी जोन, जीतो मैसूर और जेबीएन मैसूर महाराजा के तत्वावधान में आयोजित जीतो बिजनेस नेटवर्किंग पहल के तहत तीन कार्यक्रम संपन्न हुए। बैठक में जेबीएन मैसूरु व ट्रेंडसेटर्स यूनिकार्न के 75 सदस्यों ने तथा बेंगलूरु के 25 सदस्यों ने भाग लिया। जेबीएन नार्थ के संयोजक मदन मुणोत और सहसंयोजक हर्ष चोरड़िया ने आगामी 13 फरवरी को बेंगलूरु जीतो नार्थ द्वारा आयोजित होने वाले जेबीएन 360 कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। जेबीएन मैसूर महाराजा के रेफरल ग्रुप के टीम लीड और जेबीएन संयोजक महावीर जैन ने बैठक की अध्यक्षता की। जीतो के उपाध्यक्ष भेरुलाल पितलिया ने सभी का स्वागत किया। रेफरल प्रमुख दर्शित सुराना, रेफरल लीड कमल बोहरा और रेफरल सचिव प्रफुल्ल दिनेश ने जेबीएन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में केकेजी जोन के संयोजक चंद्रगुप्त कटारिया, शीर्ष संयोजक पुनीत श्रीश्रीमाल, जीतो के सचिव गौतम सालेचा, गौतम बाघमार, रमेश नौलखा, नेमीचंद श्रीमाल, पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल चौहान, युवा विंग के अध्यक्ष सिद्धार्थ कटारिया, मनीष शाह आदि उपस्थित थे। पुनीत जुगराज ने धन्यवाद दिया।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में मलयप्रभसागरजी और मुकुलप्रभसागरजी की निश्रा में खरतरगच्छ युवा परिषद के द्वारा तैयार किया वर्ष 2026 के कैलेंडर का विमोचन खरतरगच्छ संघ के अध्यक्ष प्रकाश भंसाली, महामंत्री राजेंद्र गुलेच्छा, युवा परिषद के कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष कुशल डोशी, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष पंकज बाफना, उपाध्यक्ष विकास पारख, मनीष गुलेच्छा, महामंत्री विकास खटोड़, सहमंत्री हेमंत गुलेछा, केंद्रीय संगठन सहमंत्री तेजस छाजेड़, केंद्रीय विहार सहसंयोजक नीलेश मेहता, केंद्रीय बिजनेस प्रकोष्ठ के ललित डाकलिया आदि अनेक सदस्यों ने किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**